तापमान

अधिकतम 33.0 डिग्री

न्यूनतम 25.2 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

12 सरकारी विभागों का पॉवर कंपनी को तीन...

12 नीट विवाद, प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने...

एक्सटेंशन पर दौड़ रहे निशुल्क शव वाहन "मुक्तांजलि" का होगा विस्तार, 242 गाड़ियों के साथ होगा नया ठेका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरकारी अस्पतालों में मृत्यु के बाद पार्थिव शरीर को घर अथवा मुक्तिधाम तक पहुंचाने वाले शव वाहन मुक्तांजलि योजना का विस्तार किया जाएगा। अभी 164 वाहनों के साथ संचालित इस योजना में 242 गाड़ियों को शामिल किया जाएगा। वर्तमान में डायल 1099 के टोल फ्री नंबर पर उपलब्ध इस सुविधा का संचालन वर्ष 2018 से 'कम्यूनिटी एक्शन थ्रू मोटीवेशन प्रोग्राम' (सीएएमपी-कैंप) के पास है। वर्तमान में कंपनी दो साल के एक्सटेंशन पर इसे चला रही है। नए टेंडर में शव वाहनों की संख्या और उसकी विशेष डिजाइन और आकार का विस्तार किया जाएगा। इस योजना को मूर्त रूप देने और आम लोगों को यह सुविधा देने के लिए हर साल करीब 18 करोड़ से अधिक राशि खर्च किया जाएगा। इस योजना का नया टेंडर करने की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन (सीजीएमएससी) के पास है। उसने नया टेंडर का प्रस्ताव बनाकर स्वीकृति के लिए शासन को भेजा है। अफसरों का दावा है कि पुरानी कमियों को ध्यान में रखते हुए नई एजेंसी चयन की प्रक्रिया में सुधार किए जाने की तैयारी है। प्रदेश में जरूरतों के हिसाब से वाहनों की संख्या बढ़ाने और व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नियमों में भी बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। इसमें टेंडर की अवधि सात साल करने और नए शव वाहन लाने की शर्तों को शामिल किया गया है। राज्य में मुक्तांजलि सेवा का संचालन वर्ष 2012-13 से किया जा रहा और वर्ष 2018 से कैंप को इसकी जिम्मेदारी मिली थी, वर्ष 2023 को संबंधित एजेंसी को दो साल एक्सटेंशन मिला था जो पूरा हो गया है।

वर्ष 2018 से सरकारी अस्पतालों से पार्थिव शरीर को घर पहुंचाने का जिम्मा कैंप के पास

3 लाख से ज्यादा शवों को पहुंचाया ठिकाने तक

स्वास्थ्य विभाग की इस संवेदनशील योजनाओं में पिछले सात सालों में सरकारी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाले करीब 3.64 लाख मरीजों को उनके अंतिम ठिकाने तक पहुंचाया गया है। विभागीय अफसरों का तर्क है कि कोरोना आपदाकाल में मुक्ताजंली सेवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस अवधि में सरकारी के अलावा निजी अस्पतालों से कोविड संक्रमित 12 हजार से अधिक मृतकों को अंतिम संस्कार की खातिर मुक्तिधाम तक पहुंचाया गया है।

33 करोड़ के भुगतान पर उठा था सवाल

मुक्तांजलि सेवा के दौरान भुगतान को लेकर कुछ साल पहले विवाद की स्थिति बनी थी। इसमें करीब 33 करोड़ के भुगतान पर फर्जी बिलिंग जैसे आरोप लगे थे। मामले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक अधिकारी की इस योजना की जिम्मेदारी वापस ले ली गई थी। बाद में लगे आरोपों का जांच के बाद गलत पाया गया था। नए टेंडर के दौरान शव वाहन की मानिटरिंग के लिए भी नया सिस्टम बनाने की तैयारी की जा रही है।

शासन से अनुमति मिलते ही टेंडर

निशुल्क शव वाहन मुक्तांजलि सेवा के लिए नई संचालन एजेंसी तय करने का प्रस्ताव बनाया गया है। शासन से अनुमति मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

- रितेश अग्रवाल, एमडी, सीजीएमएससी

निशुल्क शव वाहन मुक्तांजलि सेवा

1. टोल फ्री नंबर 1099 के माध्यम से शव वाहन की सुविधा। इससे शासकीय अस्पताल से पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम तक निःशुल्क पहुंचाया जाता है।
2. राज्य के तमाम 33 जिलों में 164 एंबुलेंस के माध्यम से योजना का संचालन, नए टेंडर में गाड़ियां बढ़ाने का प्रस्ताव
3. राज्य में प्रति माह औसत 26 शवों को शासकीय अस्पताल से उसके गृहग्राम पहुंचाने की उपलब्धि
4. नए एजेंसी तय करने की प्रक्रिया के दौरान सेवा का विस्तार सरकारी के साथ निजी अस्पतालों तक देने की योजना

खबर संक्षेप

गोवा राज्य की शराब जब्त

रायपुर। आबकारी विभाग की टीम ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर मठपुरेना क्षेत्र में स्थित अजय सोनवानी के मकान में दबिश दी। इस दौरान एक प्लास्टिक बाल्टी में 20 पाव एवं 5 पेटियों में रखे रॉयल गोवा व्हिस्की फॉर सेल इन गोवा कुल 249 पाव शराब जब्त किया। इसकी कुल कीमत 29 हजार 880 रुपए है। पुलिस आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2), 36 एवं 59 (क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

मारपीट कर लूटपाट आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने मारपीट कर नकदी लूटपाट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी लखन यादव 24 जुलाई की रात करीब 11 बजे अपनी दोपहिया वाहन से मध्यप्रदेश जाने के लिए घर से निकला था। उसके पास नकदी रकम भी थी। जब वह दुर्गा नगर अशोक नगर क्षेत्र पहुंचा, तभी एक युवक से उसकी मुलाकात हुई। विक्की घृतलहरे नाम बताते हुए वह लखन से बातचीत करने लगा। इसी दौरान आरोपी की नजर लखन के पास रखे रुपयों पर पड़ी, जिसके बाद उसने लखन के साथ मारपीट कर रुपए लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 84 हजार रुपए बरामद किए हैं।

6 माह में 2352 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

रायपुर। ट्रैफिक पुलिस ने चालू वर्ष के दौरान 6 माह में 2352 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष 2025 में 2065 वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबन किए गए थे। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 287 अधिक लाइसेंस निलंबित हुए है। यातायात पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान सबसे ज्यादा कार्रवाई शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ की गई, क्योंकि सर्वाधिक दुर्घटनाएं नशे की हालत में वाहन चलाने से होती है, इसलिए ऐसे मामलों में पुलिस जीरो टालरेंस नीति अपना रही है। इसके अलावा ओवरस्पीड में वाहन चलाने वाले 167 चालकों और वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले 21 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किए गए।

शराब पीने पैसे नहीं देने पर कैंची से किया वार

रायपुर। टिकरापारा क्षेत्र में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर आरोपी ने एक युवक पर कैंची से हमला कर दिया। घटना 23 जुलाई की रात करीब साढ़े 11 बजे की है। प्रार्थी मयंक साहू निवासी ईश्वर नगर नहरपार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह फॉल सीलिंग का काम करता है। घटना के समय वह खाना खाने के बाद अपने घर के सामने बैठा था। इसी दौरान आरोपी शेख तौफिक उर्फ पिरपेंडी हाथ में कैंची लेकर उसके पास पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। उसने जब पैसे देने से मना किया तो गुस्से में आकर आरोपी ने मारपीट करते हुए कैंची से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसे चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले में आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

मंडल में 12 रेलवे फाटक स्थायी रूप से बंद, 2029 तक 40 और बंद करने का लक्ष्य

बंद नहीं होगा सरस्वती नगर फाटक, अंडरब्रिज भी संभव नहीं, पौने दो करोड़ की नई सड़क बेकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए रेल मंडल वर्ष 2029 तक 52 रेलवे फाटकों को बंद करने की योजना पर काम कर रहा है। इसी क्रम में सरस्वती नगर स्टेशन के फाटक को बंद करने के लिए रेलवे ने यात्रियों की आवाजाही के उद्देश्य से करीब पौने दो करोड़ रुपये की लागत से 610 मीटर लंबी कंक्रीट सड़क बनाई। हालांकि अब फाटक बंद करने की योजना ठंडे बस्ते में चली गई है। ऐसे में इस उद्देश्य से बनाई गई सड़क का उपयोग नहीं हो पा रहा है। रेलवे के अनुसार, जिस उद्देश्य से सड़क का निर्माण कराया गया था, वह पूरा नहीं हो रहा है। फाटक बंद किए जाने का लोगों की ओर से काफी विरोध है। अब रेलवे यहां अंडरब्रिज या अन्य ▶▶|शेष पेज 13 पर

हर साल 11 रेलवे फाटक हो रहे हैं बंद

रेलवे ने देशभर में रेलवे फाटकों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की योजना बनाई है। रायपुर मंडल में कुल 52 रेलवे फाटकों को स्थायी रूप से बंद किया जाना है। इनमें से 12 फाटक पिछले दो वर्षों में बंद किए जा चुके हैं। डीआरएम के मुताबिक वर्ष 2029 तक सभी 52 फाटकों को बंद करने का लक्ष्य है। इसके तहत हर साल करीब 11 फाटक बंद किए जा रहे हैं। अभी तक 40 फाटक बचे है, जिसे बंद करना है। इसमें कुछ पीडब्लूडी के फाटक भी शामिल है। रेलवे फाटक बंद करने के साथ संबंधित स्थानों पर अंडरब्रिज या वैकल्पिक मार्ग तैयार किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

हरिभूमि सरोकार

अन्य विकल्पों पर विचार

सरस्वती नगर फाटक बंद करने के लिए बनाई गई सड़क का उपयोग नहीं हो रहा है। यहां अंडरब्रिज बनाना भी संभव नहीं है। ऐसे में अन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

- दयानंद, डीआरएम, रेल मंडल

सड़क का उपयोग नहीं कर रहे लोग

फाटक बंद करने के लिए बनाई गई सड़क का लोग उपयोग नहीं कर रहे हैं। एनआईटी रोड जाने के लिए अधिकांश लोग फाटक पार कर ही आवागमन करते हैं। वहीं, कोटा जाने के लिए भी लोगों को यही रास्ता अधिक सुविधाजनक पड़ता है। रेलवे के अनुसार, पौने दो करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क का उपयोग केवल करीब 10 प्रतिशत लोग ही कर रहे हैं। ऐसे में इस पर किया गया खर्च उद्देश्य के अनुरूप साबित नहीं हो रहा है। बता दें कि सरस्वती नगर रेलवे फाटक रोज 40 से अधिक बार बंद होता है, जिससे यहां अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। हालांकि नई सड़क से जेई रोड पहुंचने के लिए करीब दो किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। इसी कारण लोग फाटक बंद करने का विरोध कर रहे हैं। नई सड़क के बीच बिजली विभाग के 17 खंभे भी आ रहे थे। इन्हें हटाने के लिए रेलवे ने बिजली विभाग को 25 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया है।

रायपुर मंडल में अब तक बंद किए गए रेलवे फाटक

- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 387 (दावनबोड़), निपानिया–भाटापारा खंड।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 393 (केसदा), हथबंद–तिल्दा नेवरा सेक्शन।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक डीडी-5 (बोरसी गेट), दुर्ग–मरौदा सेक्शन।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक डीडी-40 (जुनवानी गेट), सिकोसा यात्री हॉल्ट के पास।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 413 (टेकरी गेट), मांढर–उरकुरा सेक्शन।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 378 (निपानिया गेट), निपानिया यार्ड।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 404 (जलसो गेट), बैकुंठ–सिलयारी सेक्शन।
- लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 403 (जलसो किरना), बैकुंठ–सिलयारी सेक्शन

कोल, शराब घोटाला में राम गोपाल, ओवरटाइम फर्जीवाड़ा में एपी त्रिपाठी जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोल तथा शराब घोटाला के आरोप में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल तथा ओवर टाइम भुगतान घोटाला के आरोप में गिरफ्तार अरुण पति त्रिपाठी को ईओडब्लू ने ईओडब्लू, एसीबी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने अग्रवाल को 12 तथा त्रिपाठी को 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया है। जेल भेजे जाने से पूर्व रामगोपाल अग्रवाल से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के कई सीनियर नेता कोर्ट पहुंचे।

- कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष 12 तथा त्रिपाठी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर

पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा करते हुए जांच एजेंसी तथा केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। बघेल ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है और यह पूरी कार्रवाई राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। इधर जांच एजेंसी ने कांग्रेस के पूर्व ▶▶|शेष पेज 13 पर

त्रिपाठी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन (सीएसएमसीएल) के 172 करोड़ रुपए के ओवरटाइम घोटाला के आरोप में पिछले सप्ताह गिरफ्तार पूर्व प्रबंध संचालक (एमडी) अरुण पति त्रिपाठी की पुलिस रिमांड समाप्त होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी ने आरोपी की रिमांड नहीं मांगी। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें सात अगस्त तक की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया। मामले में ईओडब्ल्यू की जांच जारी है और घोटाले से जुड़े वित्तीय दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

राशन दुकानों के खिलाफ 78 शिकायतों की जांच 59 निलंबित

9 निरस्त, 5 पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में उचित मूल्य दुकानों के खिलाफ मिली शिकायतों के आधार पर 78 दुकानों की जांच की गई। इस जांच के बाद 59 दुकानों को निलंबित एवं 9 दुकानें निरस्त की गईं। इसी प्रकार 5 प्रकरणों में दुकानों के समिति प्रमुख-विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर कराई गई है। इसके अलावा 13 प्रकरणों में कार्रवाई लंबित है। विभाग के अधिकारी का कहना है कि लंबित प्रकरणों में भी जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। रायपुर जिले में पिछले लगभग एक साल के दौरान उचित मूल्य की दुकानों में कई तरह की गड़बड़ियां की गई हैं। इन गड़बड़ियों की शिकायतों के आधार पर ही इस अवधि के दौरान 78 दुकानों की जांच कर उन्हें विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। हालांकि ज्यादातर दुकानदारों ने जारी नोटिस का जवाब तक नहीं दिया। इसके कारण विभाग इन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जिले में निलंबित की गई दुकानों में सबसे अधिक रायपुर शहर एवं धरसींवा क्षेत्र की है। इन क्षेत्रों में कुल 51 दुकाने निलंबित की गई है। इसमें रायपुर की 32 एवं धरसींवा की 19 दुकानें शामिल हैं।

- रायपुर शहर एवं धरसींवा में दुकान निलंबन के सबसे अधिक प्रकरण

निरस्त की गई सभी दुकानें रायपुर की

जिले में कुल 9 दुकानों के अनुबंध निरस्त किए गए हैं। ये सभी दुकानें भी रायपुर शहर की हैं। इससे पता चलता है कि शहर में संचालित उचित मूल्य की दुकानों में सबसे अधिक खाद्यान्न की गड़बड़ी की जा रही है। जिले में जो 5 दुकानें निलंबित की गई हैं, उनमें भी रायपुर शहर की 1 एवं 4 धरसींवा क्षेत्र की है। इसके अलावा लंबित 13 दुकानों में सर्वाधिक 8 रायपुर की हैं।

लंबित प्रकरणों में कार्रवाई जल्द

लंबित प्रकरणों में भी जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए है। अगर जवाब नहीं आएंगे तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर

दुकानों के खिलाफ हुई कार्रवाई एक नजर में

विकासखंड	नोटिस	निलंबित	निरस्त	एफआईआर	लंबित
रायपुर	49	32	9	1	8
धरसींवा	19	19	0	4	0
आरंग	6	5	0	0	1
अभनपुर	1	1	0	0	0
तिल्दा	3	3	0	0	3

दो माह में दो दर्जन से अधिक दुकानों में जांच ओवर रेट पर शराब बेचते 3 सेल्समैन हटाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में शराब की अवैध रूप से बिक्री, परिवहन एवं ओवर रेटिंग पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने जिला स्तर पर उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्क्वाड) टीम गठित की है। करीब दो महीने में टीम ने दर्जनों शराब दुकानों की जांच की। इनमें कुछ ओवर रेटिंग की शिकायतों पर भी जांच हुई है, जिनमें से 3 दुकानों में शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित दो सेल्समैन को हटाने की कार्रवाई करते हुए उनके नाम ब्लैक सूची में शामिल किए गए हैं। आबकारी विभाग दफ्तर से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेशभर में शराब दुकानों में ओवर रेट ▶▶|शेष पेज 13 पर

- जिला उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई

इन शराब दुकानों के सेल्समैन पर हुई कार्रवाई

उड़नदस्ता टीम को गोगांव एवं बैकुंठ टंडवा तिल्दा-नेवरा में संचालित शराब दुकान में ओवर रेट पर शराब बिक्री की शिकायत मिली थी। इस शिकायत पर विभाग ने तत्काल एक्शन लेते हुए इन दोनों दुकानों में जाकर जांच की, जिसमें शिकायत सही पाई गई। इसी प्रकार भाठागांव शराब दुकान में ओवर रेट पर शराब बिक्री की शिकायत विभाग को मिली थी। इस शिकायत पर जिला अधिकारी ने तत्काल जांच कराई, जो सही पाई गई।

24 घंटे निगरानी

विभागीय अधिकारी का कहना है कि उड़नदस्ता टीम 24 घंटे सक्रिय है। निर्माण, बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए औचक निरीक्षण के साथ शिकायत मिलने पर टीम मौके पर पहुंच रही है।

रिपोर्ट के आधार पर तत्काल कार्रवाई

शराब की ओवर रेटिंग, अवैध बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए जिला स्तर पर उड़नदस्ता टीम का गठन हुआ है, जो लगातार औचक निरीक्षण एवं शिकायतों पर जांच कर रिपोर्ट सौंप रही है। इस रिपोर्ट के आधार पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

- डा. प्रवीण वर्मा, उपायुक्त आबकारी विभाग रायपुर

पश्चिमी विक्षोभ हटते ही राज्य में लौटेगी बारिश बिलासपुर और रायपुर संभाग पर ज्यादा असर

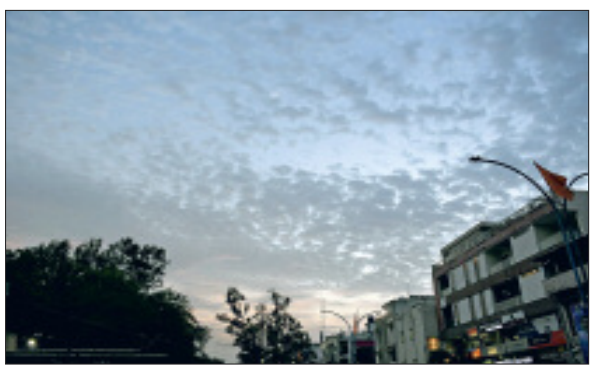

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जुलाई के अंतिम दिनों में बिलासपुर और रायपुर संभाग में एक बार बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। बरसात पर ब्रेक लगाने वाले पश्चिमी विक्षोभ ने चक्रवाती परिसंचरण का रुख मोड़ दिया है। विक्षोभ के हटते ही बंगाल की खाड़ी में पहुंचे सिस्टम के असर से संभवतः दो दिन बाद राज्य में मानसून सक्रिय हो सकता है। अभी बारिश का असर कम होने की वजह से तेज ▶▶|शेष पेज 13 पर

अनुबंध नवीनीकरण नहीं हुआ, पेट्रोल, स्टॉफ का खर्च नहीं मिल रहा

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के पास 9 मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब

मिलावट पकड़ने वाले मोबाइल लैब यूनिट के पहिए 5 महीने से जाम, केंद्र ने रोका संचालन का फंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुकानों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की स्पॉट पर जांच करने वाले खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मोबाइल टेस्टिंग फूड लैब के पहिए पिछले 5 महीने से जाम हो गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने केंद्र सरकार से मिले इस वाहन के संचालन के लिए हुए एमओयू का रिनीवल नहीं कराया है। इसकी वजह से फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी ने पेट्रोल और इस टेस्टिंग लैब के स्टॉफ के लिए फंड भेजना बंद कर दिया है।

इस मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की उपयोगिता त्योहारों के दौरान की जाने वाली जांच में साबित होती है। बिकने वाले खाद्य पदार्थों की जांच संबंधित प्रतिष्ठान के पास ▶▶|शेष पेज 13 पर

सैंपल टेस्ट में लगता है बीस दिन

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम किसी प्रतिष्ठान में जाकर सैंपल लेती है तो लैब में इसकी जांच की प्रक्रिया में पंद्रह से बीस दिन का वक्त लग जाता है। इस लैब से मिलावट का पता दस से पंद्रह मिनट की जांच में लग जाता है। इस वैन के संचालन के दौरान विभागीय टीम उन्हीं सैंपलों को टेस्टिंग के लिए लैब भेजती थी जिसमें लीगल कार्रवाई किया जाना आवश्यक होता है।

बारिश में बढ़ा जोखिम

बारिश के मौसम में जलजनित के साथ खानपान में होने वाली लापरवाही की वजह से पेट से संबंधित समस्या में बढ़ोतरी हो जाती है। सड़क किनारे ठेले-खोमचे में बिकने वाले खाद्य पदार्थ इसकी जोखिम बढ़ा सकते हैं। इन मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से ऐसे खाद्य पदार्थों की जांच आसानी से पूरी की जा सकती है। वाहनों का संचालन नहीं होने से यह काम पूरा नहीं हो पा रहा है।

सरकारी विभागों का पॉवर कंपनी को तीन हजार करोड़ के बिजली बिल बकाया का करंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सरकारी विभागों का बिजली बिल का बकाया लगातार बढ़ता जा रहा है। इस समय सरकारी विभागों पर तीन हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया हो गया है। सबसे ज्यादा 16 सौ करोड़ का बकाया नगरीय निकायों पर है। इसी के साथ अन्य विभाग पर भी करोड़ों का बकाया है। अब प्रदेश सरकार ने फैसला किया है कि सरकारी विभाग तीन-तीन माह का एडवांस बिजली बिल पॉवर कंपनी में जमा करेंगे। इसकी प्रक्रिया बीते तीन माह से चल रही है, लेकिन सरकारी विभाग इसको लेकर गंभीर नहीं हैं। अगस्त से सभी सरकारी कनेक्शनों को प्रीपैड करना है, लेकिन अब तक किसी भी विभाग ने एडवांस में पैसा जमा नहीं किया है। प्रदेश के सरकारी विभाग छत्तीसगढ़ बनने के बाद से ही बिजली बिल जमा करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। कभी

नगरीय निकायों पर सबसे ज्यादा 16 सौ करोड़ बकाया

भी ऐसा नहीं हुआ है कि सरकारी विभागों पर बिजली बिल का बकाया न हो। बिल जमा न होने पर पॉवर कंपनी को प्रदेश सरकार से ही बजट में बिल के भुगतान के लिए आग्रह करना पड़ता है। जानकारों का कहना है कि हर विभाग के लिए बिजली बिल के लिए अलग से फंड होने के बाद भी सरकारी विभाग बिजली बिल जमा ही नहीं करते हैं। इन विभागों की बिजली कभी कट भी नहीं होती है।

चार माह में बकाया और बढ़ा

सरकारी विभागों पर मार्च 2026 की स्थिति में करीब 29 सौ करोड़ का बकाया था। यह बकाया नए सत्र के चार माह में और बढ़ने से 32 सौ करोड़ से ज्यादा का बकाया हो गया है। 2025-26 के सत्र में सरकारी विभागों ने 1252 करोड़ की बिजली जलाई। इसमें 814 करोड़ ही मिले और 438 करोड़ का बकाया और रह गया। इसके पहले 2025 मार्च की स्थिति में बकाया 2444.91 करोड़ था जो मार्च 2026 में 2883.42 करोड़ हो गया। अब यह बकाया और बढ़ गया है।

किस विभाग पर कितना बकाया

- नगरीय निकाय विभाग 1586 करोड़
- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 876 करोड़
- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 109 करोड़
- स्कूल शिक्षा विभाग 80 करोड़
- चिकित्सा विभाग 31 करोड़
- जल संसाधन 27 करोड़
- गृह विभाग 26 करोड़
- आदिम जाति कल्याण विभाग 28 करोड़
- महिला बाल विकास 26 करोड़
- आवास पर्यावरण विभाग 23 करोड़
- लोक निर्माण विभाग 13 करोड़
- राजस्व विभाग 12 करोड़
- वन विभाग 9 करोड़
- कृषि विभाग 3.68 करोड़
- पशु पालन विभाग 3 करोड़
- कौशल विकास विभाग 3 करोड़
- विधि विधायी विभाग 2.42 करोड़
- सहकारिता विभाग 3.31 करोड़
- उच्च विक्षा विभाग 5.40 करोड़
- उद्यानिकी विभाग 2.64 करोड़
- जेल विभाग 1.40 करोड़
- खेल विभाग 1.03 करोड़

नोट : इसी के साथ कई विभागों पर लाखों का बकाया है। यह बकाया मार्च 2026 तक का है। अप्रैल से लेकर जुलाई तक इसमें और इजाफा हो गया है।

खबर संक्षेप

स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान, कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक

रायपुर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे के नेतृत्व में शनिवार को बिरगांव में जिला स्तरीय बैठक एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। महापौर निवास, बिरगांव में आयोजित बैठक में स्मार्ट मीटर हटाओ, जनआवेदन अभियान की विस्तृत रणनीति बनाई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि बिरगांव नगर निगम के सभी 40 वार्डों में कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर आम उपभोक्ताओं से जन आवेदन प्राप्त करेंगे तथा स्मार्ट मीटर के कारण बढ़े हुए बिजली बिलों, तकनीकी खामियों और उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, स्मार्ट मीटर आम जनता के लिए राहत नहीं बल्कि आर्थिक बोझ बन गया है। प्रदेशभर से बढ़े हुए बिजली बिलों की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कांग्रेस पार्टी जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रत्येक वार्ड तक पहुंचेगी और जरूरत पड़ने पर इस जनआंदोलन को और तेज करेगी।

हर घर तिरंगा अभियान के यशवंत प्रदेश संयोजक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान (11 से 15 अगस्त) आयोजित करने जा रही है।

अभियान के सुचारू संचालन, क्रियान्वयन एवं समन्वय हेतु प्रदेश स्तर पर समिति का गठन कर दायित्वों की घोषणा की गई है। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने बताया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के निर्देशानुसार प्रदेश स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन हेतु गठित समिति में संयोजक यशवंत जैन, सह-संयोजक सतीश लाठिया सहित जितेन्द्र वर्मा, विभा अवस्थी व राहुल टिकरिहा सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

प्रधान के इस्तीफे पर भूपेश ने कहा- जेन-जेड नरसिंह अवतार

साय ने कहा- प्रधान का इस्तीफा सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन के प्रत्येक दायित्व का निर्वहन सदैव निष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ किया है। उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन में उनकी कार्यशैली, संगठनात्मक क्षमता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान केंद्रीय मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विशेष रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के विस्तार तथा विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के सृजन में उनका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने कहा, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने पद से त्यागपत्र देने का उनका निर्णय सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का परिचायक है। यह निर्णय सार्वजनिक जीवन में उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण का एक प्रेरक उदाहरण भी है।

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की हार : भूपेश

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। नीट पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही थी। धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफे को लेकर लेटर पोस्ट किया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा एक प्रधान का इस्तीफा हो गया है। ये भारत के युवाओं की जीत है। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार की तुलना 'हिरण्यकश्यप' से की और जेन जेड को नरसिंह अवतार बताया। उन्होंने कहा, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देशभर के छात्रों की जीत है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की हार है।

छात्र नरसिंह के अवतार में आए

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा की ट्रोल टीम ने सोनम वांगचुक को चीन का ऐजेंट बता दिया था और मंत्री उनको जूस पिला रहे थे। इनकी स्थिति यह है कि जब जरूरत पड़े तो ये किसी को भी अपना बाप बना ले। छात्रों के आगे किसी एजेंसी की नहीं चली। छात्र नरसिंह के अवतार में आए हैं।

बृजमोहन ने प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, इससे देश विरोधी ताकतों को करारा जवाब मिला है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्र हितैषी निर्णय बताया। उनके निर्णय से देश में शांति आएगी। कुछ निर्णय आसान नहीं होते उनमें समय लगता है। फिर भी उन्होंने ये निर्णय लिया है, तो में इसके लिए प्रधानमंत्री को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं।

करोड़ों युवाओं के संघर्ष की जीत : महंत

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं और छात्रों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत करार दिया है।

उन्होंने कहा, यह छात्रों की बुलंद गूंज और अन्याय के खिलाफ न्याय की बड़ी जीत है। देश का युवा जब सड़कों पर उतरकर अपने हक की लड़ाई लड़ता है, तो तानाशाह सरकारों को भी झुकना पड़ता है।

बैज ने कहा- पीएम ने अपनी कुर्सी बचाने 'प्रधान' से मांगा इस्तीफा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा, यह नैतिकता के आधार पर नहीं मजबूरी में दिया इस्तीफा है। युवाओं की एकजुट आवाज, लोकतांत्रिक संघर्ष और राहुल गांधी के लगातार समर्थन ने सत्ता को जवाबदेह बनने पर मजबूर कर दिया। यह इस्तीफा इसलिए दिया गया क्योंकि प्रधानमंत्री की कुर्सी खतरे में आ गई। देश के युवाओं ने प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांगना शुरू कर दिया था। प्रधानमंत्री ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा है। यह सिर्फ एक इस्तीफा नहीं, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों और युवाओं के संघर्ष की जीत है

स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा- प्रधान को इस्तीफा नहीं देना चाहिए

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा, उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए था, इसके साथ ही मांग रखी कि मैं इस्तीफा वापस लेने का अनुरोध करता हूं। गजेंद्र यादव ने कहा कि मेरा तो एक ही मत है कि धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। सिस्टम है, सिस्टम बहुत बड़ा रहता है। चारों ओर कर्मचारी रहते हैं, कोई भी लीक प्वॉइंट हो सकता है। कोई मंत्री नहीं चाहेगा कि गड़बड़ हो। किसी एक व्यक्ति या मंत्री का इस्तीफा हो ये बिल्कुल न्यायोचित नहीं होगा। जब कमेटी गठित हो गई तो, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा नहीं देना चाहिए। मैं उनसे इस्तीफा वापस लेने का अनुरोध करता हूं।

नीट विवाद, प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने निकाला विजय मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नीट परीक्षा विवाद को लेकर चले छात्र आंदोलन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने शनिवार को रायपुर में 'विजय मार्च' निकाला। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे छात्रों के संघर्ष और लोकतांत्रिक दबाव की जीत बताते हुए शहर में रैली निकाली तथा केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

- छात्रों के संघर्ष और राहुल गांधी की आवाज़ की जीत : दीपक बैज

विजय मार्च में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र शामिल हुए। पूरे मार्ग में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए इस जीत को देश के लाखों छात्रों के संघर्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लगातार उठाई गई आवाज़ की जीत बताया। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा, नीट मुद्दे पर देशभर में छात्रों के आंदोलन और विपक्ष के लगातार दबाव के चलते केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। कांग्रेस नेताओं ने इसे युवाओं की जीत बताते हुए आंदोलन में शामिल छात्रों को बधाई दी। कांग्रेस ने कहा, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। पार्टी नेताओं ने मांग की कि नीट परीक्षा से जुड़े पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

युवाओं के मामले में पीसीसी की सक्रियता से झुकी पुलिस, कांग्रेस की एकजुटता आई काम

नीट मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नीट पेपर लीक की वजह से धर्मेंद्र प्रधान लगातार कांग्रेस के निशाने पर रहे। कांग्रेस पार्टी लगातार उनके इस्तीफे का दबाव बना रही थी। मामले में कांग्रेस कार्यालय घेराव के दौरान 16 पार्टी कार्यकर्ताओं पर एफआईआर के मामले में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्र और राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। वे कार्यकर्ताओं के सम्मान को सर्वोपरि मानते हुए उनके लिए देर रात तक धरने में बैठे, पुलिस को झुकना पड़ा। 18 घंटे के धरना के बाद हुई जीत पर भूपेश बघेल ने कहा, हमारे कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने भाजपा के मंत्री, नेता और कार्यकर्ता गए थे। प्रदर्शन उन्होंने किया, घेराव उन्होंने किया और एफआईआर हमारे ऊपर दर्ज कर दी गई। इसीलिए हमारे प्रदेश अध्यक्ष को थाने में धरना देना पड़ा, तब जाकर भाजपाइयों पर भी एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन मिला है। श्री बघेल ने पूरे मामले में कांग्रेस नेताओं के एकजुट होने से मिली जीत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। पूरे मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इस घटना क्रम की निंदा करते हुए त्वरित एक्शन लिया। हालांकि आश्वासन के बाद कांग्रेस एक सप्ताह इंतजार करने के बाद आगे की रणनीति तय करेगी।

मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि कश्मीर के पत्थरबाजों की तरह कांग्रेसी पत्थरबाजी कर रहे हैं, इस पर भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था के जो हालात हैं, वे किसी से छिपे नहीं हैं। ये कश्मीर की बात कर रहे हैं, इन्हें छत्तीसगढ़ की बात करनी चाहिए। आप सरकार में हैं, आप जो चाहे वह बोल सकते हैं। मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक से नहीं कर पा रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकार हर मोर्चे पर असफल

दीपक बैज ने कहा, केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही हर मोर्चे पर असफल साबित हुए हैं, ऐसे में जनता का विश्वास ये सरकार खो चुकी है। उन्होंने तो केंद्र सरकार से इस्तीफे तक की मांग रखी।

कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ जगदलपुर निवासी हरिका राव नायडू ने नीट परिणाम के बाद आत्महत्या कर ली थी, विजय मार्च के दौरान प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने हरिका राव की छायाचित्र को हाथ में लेकर मार्च करते हुए नजर आए। इसके पश्चात अंबेडकर चौक पहुंचकर नीट मामले में अपनी जान गवाने वाले छात्रों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट प्रकरण को लेकर कई महीनों तक सड़क से लेकर संसद तक लगातार आवाज बुलंद की और छात्रों के अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ी।

ये थे मौजूद : अंबेडकर चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए खुशी जताई। इस दौरान पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, प्रदेश के प्रभारी सचिव विजय जांगिड, शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, पूर्व महापौर एजाज ढेबर, प्रमोद दुबे, प्रमोद चौबे, कुलदीप जुनेजा, पंकज शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुबोध हरितवाल, आकाश शर्मा, राकेश धोतरे, सकलेन कामदार, कन्हैया अग्रवाल सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रदेश के सभी बूथों में मन की बात कार्यक्रम के बाद होगी बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन ढाई साल पहले ही अभी से चुनावी मोड में आ गया है। भाजपा ने 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने तय किया है कि अब बूथों से लेकर जिलों में हर माह बैठक की जाएगी। इसमें कोई भी लापरवाही नहीं चलेगी। इसका प्रारंभ भी बीते माह से हो गया है। अब लगातार दूसरे माह भी अंतिम रविवार को बूथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के बाद बैठक होगी। भाजपा का हमेशा से ही बूथों पर बड़ा फोकस रहता है। बूथों को मजबूत करके भाजपा चुनाव जीतने का काम करती है। पिछले चुनाव में भी बूथों की पूरी कुंडली तैयार करके कमजोर बूथों पर फोकस किया गया और भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापस आई। अब एसआईआर के बाद प्रदेश में करीब 25 हजार बूथों के स्थान पर करीब 28 हजार बूथ हो गए हैं तो भाजपा का उन तीन हजार नए बूथों पर भी बड़ा फोकस है।

अब बूथों में भी हर माह बैठक करके खास मंथन किया जा रहा है। किस मंडल और किस जिले में कितने बूथ ऐसे हैं जो कमजोर हैं। इसके बाद इन बूथों को मजबूत करने की रणनीति तैयार करके इनको मजबूत किया जाएगा। भाजपा के पास हर बूथ के लिए पन्ना और पेज प्रभारी हैं। इनको बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। बैठकों के लिए क्रम भी तय किया गया है। हर माह के पहले सप्ताह में मंडलों की बैठक होगी। दूसरे सप्ताह में जिलों और तीसरे सप्ताह में शक्ति केंद्रों की बैठक होगी। अंत में बूथों की बैठक चौथे सप्ताह में होगी। यह क्रम लगातार चलेगा। रविवार को सभी बूथों में प्रदेश के छोटे से लेकर बड़े नेता शामिल होंगे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 16 सारागांव तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 21/07/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप सिंह पिता/पति सियाराम निवासी दोंदेखुर्द छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम दोंदेखुर्द छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम दोंदेखुर्द पटवारी हल्का नंबर..... राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-16 सारागांव में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 141/3 रकबा 0.1130 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार, धरसींवा के आदेश क्रमांक 334/वाचक/ना.तह./2026 दिनांक 08/06/2026 के परिपालन में दिनांक 29/07/2026 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 13 के ग्राम छपोरा में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-16 सारागांव

// आम सूचना //

वाके मौजा ग्राम-पिरदा, प.ह.न.-76, रा.नि.म. सेरीखेड़ी, तहसील- रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि जिसका खसरा नं.- 620/3 (शामिल खसरा नं.- 624/2) का भाग रकबा 0.3716 हेक्टेयर याने कि 40000 वर्गफुट के संबंध में ।

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता तर्शीष मेरिल कीर्तन पिता श्री इम्मानु कीर्तन निवासी- मकान नं.- 21/1896, कटोरा तालाब, रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व व अधिपत्य की कृषि भूमि खसरा नं.- 620/3 (शामिल खसरा नं.- 624/2) का भाग रकबा 0.3716 हेक्टेयर याने कि 40000 वर्गफुट है, जो कि ग्राम- पिरदा, प.ह.न.-76, रा.नि.म.-सेरीखेड़ी, तहसील-रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) में स्थित है को मेरे पक्षकार क्रेता ने विक्रेता से क्रय करने का पक्का सौदा कर टोकन अदा कर दिया है मात्र बैनामा पंजीयन किया जाना शेष है । उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय, अर्ध्दशासकीय निकाय महाजन अथवा किसी पारिवारिक सदस्य अन्य को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजर दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेवे। समयावधि पश्चात की गई आपत्ति या उजर दावा हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा।

सो सूचना जाने ।

स्थान - रायपुर (छ.ग.)
दिनांक - 25.07.2026

संत राज (अधिवक्ता)
पता - शुभम कॉर्पोरेट बिल्डींग, तृतीय तल, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) मो. 9826898271

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेश गुप्ता, पिता रामनिवास गुप्ता, निवासी आई-2, दावड़ा कॉलोनी, मोबाइल टावर के बाजू, पचपेड़ी नाका के पास, रायपुर (छ ग) यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपने पुराने नाम को त्याग कर नया नाम राजेश कुमार गुप्ता रख लिया हूँ। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम राजेश कुमार गुप्ता, पिता रामनिवास गुप्ता, से ही जाना पहचाना जावे।

खबर संक्षेप

इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म

रायपुर। पुलिस परिवार ने 25 जुलाई 2001 को अपने खर्च पर भिलाई में मोहम्मद साबिर खान का विवाह कराया। शादी के बाद भी उनका साथ नहीं छोड़ा। आज तक साबिर और उनका परिवार उसी अपनत्व के साथ जुड़ा हुआ है। साबिर खान की दो बेटियां हैं। परिवार में दोनों धर्मों की परंपराओं का सम्मान किया जाता है। हिंदू और मुस्लिम दोनों रीति-रिवाजों के साथ बच्चों का पालन-पोषण हुआ। यह केवल साथ रहने की कहानी नहीं, बल्कि परस्पर सम्मान और विश्वास की मिसाल है। हाल ही में 12 जुलाई को साबिर खान की बेटी का विवाह जमशेदपुर में संपन्न हुआ। पुलिस परिवार के सदस्य स्वयं वहां पहुंचे, चार दिन तक विवाह की सभी तैयारियों और रस्मों में शामिल रहे और पिता की जिम्मेदारी निभाते हुए पूरी शादी संपन्न कराई। यह केवल एक सामाजिक उपस्थिति नहीं थी, बल्कि वर्षों पुराने रिश्ते को निभाने का प्रमाण था। आज जब समाज अक्सर धर्म, जाति और पहचान के आधार पर बंटा दिखाई देता है, तब यह पुलिस परिवार याद दिलाता है कि सबसे मजबूत रिश्ता इंसानियत का होता है। एक छोटे से बच्चे को परिवार देकर जो सफर शुरू हुआ था, वह आज कई दशकों बाद भी उसी विश्वास, सम्मान और प्रेम के साथ आगे बढ़ रहा है। यही कहानी बताती है कि सच्चे रिश्ते जन्म से नहीं, बल्कि अपनापन और संवेदनाओं से बनते हैं।

काव्य संध्या राहगिरी का आयोजन आज

रायपुर। नवरंग काव्य मंच द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में 26 जुलाई को शाम 5 बजे से भव्य काव्य संध्या राहगिरी का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में नवोदित एवं मूर्धन्य कवि अपने काव्य पाठ से विविध रसों की बौछार करेंगे। कार्यक्रम में कवि राजेश जैन राही द्वारा राहगिरी जीवन का सफर कविताओं के साथ की एकल प्रस्तुति भी होगी। शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का सम्मान भी होगा। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. माणिक विश्वकर्मा नवरंग, इंद्रनाथ सिंह सेवानिवृत्त आईएफएस, युवा संस्था के संस्थापक एम. राजीव, एस. राय गुरु, राजकुमार मसंद, शशि दुबे अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

शहीद कौशल यादव की प्रतिमा का सांसद बृजमोहन ने किया अनावरण, शहीद गैलरी बनाने दिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कारगिल युद्ध के अमर शहीद कौशल यादव को उनके 27वें शहादत दिवस पर राजधानीवासियों ने नमन किया। इस मौके पर नगर निगम जोन 4 क्षेत्र के सिविल लाइन आकाशवाणी चौक के समीप समारोह का आयोजन किया गया। इसमें रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शहीद कौशल यादव की धातु निर्मित प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध के अमर शहीद कौशल यादव की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगी। उन्होंने प्रतिमा स्थल के पास शहीद गैलरी विकसित करने का सुझाव देते हुए कहा कि यहां देश के अन्य वीर शहीदों की प्रतिमाएं भी स्थापित की जानी चाहिए, ताकि नागरिक और युवा उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सकें।

कारगिल युद्ध के अमर शहीद की धातु प्रतिमा का अनावरण

खास बातें

- दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत रहे उपस्थित
- महापौर ने बलिदान को बताया

कार्यक्रम में महापौर मीनल चौबे ने शहीद नायक कौशल यादव का श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को राष्ट्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने जोन 4 आयुक्त डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी को प्रतिमा स्थल के आसपास रेलिंग लगाने, समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने और स्थल को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, निगम के संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 5 अध्यक्ष अंबर अग्रवाल, पार्षद अर्जुन यादव, प्रमोद कुमार साहू, अजय साहू, पार्षद प्रतिनिधि संतोष हियाल, पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ यादव समाज पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ यादव समाज के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जनक यादव ने और आभार प्रदर्शन जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने किया।

रोज की किचकिच, पब्लिक परेशान

दलदल सिवनी मोड़, अनुपम गार्डन डगनिया टर्निंग पाइंट, फाफाडीह पीली बिल्डिंग के पास ट्रैफिक जाम

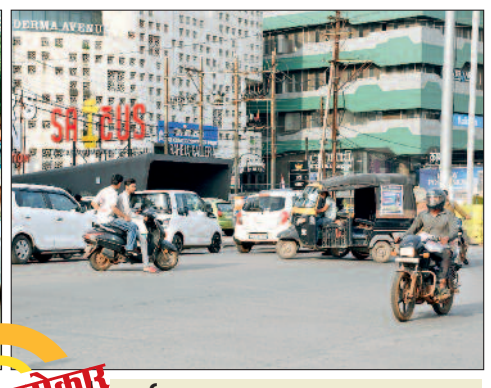

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शहर के पुराने विधानसभा रोड में मोवा ओवरब्रिज के आगे दलदल सिवनी मोड़, जीई रोड स्थित अनुपम गार्डन के डगनिया टर्निंग पाइंट और फाफाडीह रोड पर पीली बिल्डिंग के पास रोज ट्रैफिक जाम की समस्या से शहरवासी परेशान हैं। ट्रैफिक के बढ़ते दबाव और सुबह शाम शहर के इन तीन स्थानों पर लोगों की भीड़ और आवाजाही के कारण हड़बड़ी में आगे निकलने की होड़ में दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। ऐसे में इन मार्गों पर सुगम आवागमन के लिए ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग की जा रही है। दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया के साथ पैदल चलने वाले और साइकिल चालक भी इसी मार्ग से होकर आना-जाना करते हैं। ट्रैफिक सिग्नल नहीं होने से दलदल सिवनी मोड़, अनुपम गार्डन के पास डगनिया टर्निंग पाइंट और रायपुर बिलासपुर रोड के फाफाडीह मार्ग पर पीली बिल्डिंग के पास गाड़ियों की लाइन लगने से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- डॉ. आंबेडकर वार्ड पार्षद मोहन कुमार ने मोवा दलदल सिवनी मोड़ पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को लिखा था पत्र

नगर निगम जोन 9 के डॉ. भीमराव आंबेडकर वार्ड स्थित मोवा ओवरब्रिज के आगे दलदल सिवनी टर्निंग पाइंट और मोवा के दुबे कालोनी मोड़ पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात को वार्ड पार्षद मोहन कुमार साहू ने 6 माह पूर्व ही पत्र लिखकर यातायात जाम की समस्या से अवगत करा दिया है।

दुर्घटना का खतरा बढ़ा

दरअसल, दलदल सिवनी मोड़ पर और बालाजी हास्पीटल मोड़ पर सुबह और देर शाम ट्रैफिक का दबाव बहुत ज्यादा होने से दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। इस मार्ग का उपयोग दलदल सिवनी, सड्डू सहित आसपास के आवासीय कालोनी के रहवासियों और ग्रामीणों द्वारा किया जाता है, यही नही शहर का व्यस्त मार्ग होने के बावजूद न तो यहां ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है, न ही टैफिक सिग्नल लगाया गया है। ऐसे में जन सुरक्षा के लिहाज से वार्ड पार्षद ने मोवा ओवरब्रिज के आगे दलदल सिवनी टर्निंग पाइंट पर जल्द ट्रैफिक सिग्नल स्थापित करने की मांग की है। इसी मार्ग पर जोन 9 का जोन दफ्तर भी स्थित है। जोन कार्यालय में 7 वार्डो के रहवासी नगर निगम से जुड़े कार्यो को लेकर अकसर आना-जाना करते हैं। आसपास स्कूल, हास्पीटल, आंगनबाड़ी केंद्र भी होने से स्थानीय रहवासियों द्वारा ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग की जा रही है।

फेसबुक में महिलाओं पर कांग्रेस नेताओं की आपत्तिजनक टिप्पणी, एफआईआर के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने संजय बघेल और सुरेन्द्र वर्मा द्वारा फेसबुक पर महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों, फोटो और वीडियो को संज्ञान में लिया है। आयोग ने इसे अत्यंत गंभीर प्रकरण मानते हुए त्वरित कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। संजय बघेल पूर्व पार्षद एवं प्रभारी महामंत्री, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, भाटापारा शहर हैं, जबकि सुरेन्द्र वर्मा बिलासपुर के कांग्रेस पदाधिकारी हैं। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया (फेसबुक) पर महिलाओं के सम्मान के खिलाफ अमर्यादित और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की।

- महिला आयोग ने एसपी से कहा- एफआईआर दर्ज करें

आयोग अध्यक्ष ने इसको गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार और पुलिस अधीक्षक बिलासपुर से चर्चा की। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आयोग ने विशेष रूप से एआई से निर्मित आपत्तिजनक फोटो और वीडियो की जांच पर जोर दिया है। सामग्री बनाने और पोस्ट करने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर तीन दिन के भीतर महिला आयोग को कार्रवाई की रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर महिलाओं के सम्मान के खिलाफ किसी भी तरह की अमर्यादित सामग्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर ई जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग में प्राप्त जन शिकायत पर निगम अमले ने लाखे नगर, रायपुरा इलाके की दुकानों का औ च क निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर संबंधित संस्थान के संचालक से ई जुर्माना वसूला गया। जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लाखेनगर चौक के पास लक्ष्मी ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर 2 हजार रुपए ई चालान किया, वहीं रायपुरा चौक के पास ओम ट्रेडर्स में निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर 2 हजार रुपए ई चालान किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य दुकानदारों एवं ठेले वालों पर प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर 11,700 रुपए ई चालान कर दोबारा ऐसी गलती न करने चेतावनी दी गई।

- नगर निगम जोन 5 ने लाखेनगर, रायपुरा चौक के पास किया औचक निरीक्षण

बिजनेस साइट

स्कॉय ऑटोमोबाइल्स में नई मारुति सुजुकी ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट का भव्य अनावरण

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित स्काय ऑटोमोबाइल्स, मेक इंडिया स्क्वायर, तेलीबांधा में नई मारुति सुजुकी ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट का भव्य अनावरण किया गया। वाहन से पर्दा हटते ही शोरूम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उपस्थित ग्राहकों और अतिथियों ने नई ब्रेजा के आकर्षक डिजाइन, अत्याधुनिक तकनीक और दमदार प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम में कंपनी के सीईओ अनिल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, ग्रुप जीएम राजन मोसस, स्काय ऑटोमोबाइल्स की टीम, सम्मानित ग्राहक तथा विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। नई ब्रेजा टर्बो बूस्टरजेट में शक्तिशाली टर्बो बूस्टरजेट इंजन, 6-स्पीड ट्रांसमिशन, प्रोग्रेसिव स्मार्ट हाइब्रिड टेक्नोलॉजी, उन्नत सुरक्षा सुविधाएं और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो ग्राहकों को बेहतर प्रदर्शन और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव प्रदान करेंगे।

स्कूली विद्यार्थियों ने बिजनेस आइडियाज से दिखाई नवाचार की उड़ान

रायपुर। सीआईआई यंग इंडियंस रायपुर एवं कांगेर वैली एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बिजपिच 3.0 का ग्रैंड फिनाले उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना है। इसमें कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य, कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यावरण, शिक्षा और दैनिक जीवन से जुड़े अभिनव स्टार्टअप आइडियाज प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि विश्वेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि शुभिका जैन ने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और समस्याओं के नवाचारी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर यंग इंडियंस रायपुर के चेयर पंकज सोमानी एवं को-चेयर कावित पासरी ने कहा कि इस मंच पर विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता, नवाचार और व्यावसायिक समझ का शानदार प्रदर्शन करते हैं। इतनी कम उम्र में उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले बिजनेस आइडियाज भविष्य के सफल स्टार्टअप्स की मजबूत नींव बन सकते हैं।

मैट्स लॉ स्कूल में एआई, कॉपीराइट और शैक्षणिक ईमानदारी पर विशेषज्ञ व्याख्यान

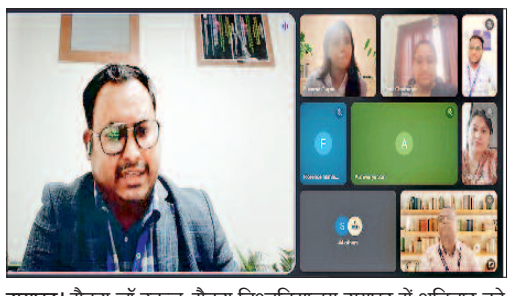

रायपुर। मैट्स लॉ स्कूल, मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर में शनिवार को 'कानून, प्रौद्योगिकी एवं नैतिकता के अंतर्संबंध की खोज' विषय पर ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान का मुख्य विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा सृजित कृतियों के विधिक आयाम : कॉपीराइट स्वामित्व, नैतिक अधिकार एवं शैक्षणिक ईमानदारी रहा। मुख्य वक्ता दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के एसोसिएट प्रोफेसर एवं पीएचडी समन्वयक डॉ. उपंकर चुटिया ने एआई से उत्पन्न कॉपीराइट, बौद्धिक संपदा, नैतिक अधिकार तथा लेखकीय स्वामित्व से जुड़े कानूनी प्रश्नों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई के उपयोग में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और शैक्षणिक ईमानदारी सर्वोपरि है तथा इसे केवल सहायक उपकरण के रूप में अपनाया जाना चाहिए। व्याख्यान में स्वचालित साहित्यिक चोरी, फर्जी संदर्भ, डीपफेक, एआई गवर्नेंस और भविष्य के नियामक ढांचे जैसे समकालीन विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम डॉ. प्याली चटर्जी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जबकि अंत में सहायक प्राध्यापक सुवर्णा गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इसमें विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और विधि विशेषज्ञों ने सहभागिता की।

ज्ञान गंगा एजुकेशनल एकेडमी में स्किल एक्सपो एवं गाइडेंस फेस्टिवल का भव्य आयोजन

रायपुर। ज्ञान गंगा एजुकेशनल एकेडमी में स्किल एक्सपो एवं गाइडेंस फेस्टिवल 2026-27 का भव्य आयोजन किया गया। सीबीएसई की पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्किल-बेस्ड एजुकेशन और वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। एनईपी-2020 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के 33 विद्यालयों के लगभग 400 प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के 67 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट आकर्षण का केंद्र रहे। एआई, कोडिंग, मेडिसिन और हॉस्पिटैलिटी जैसे विषयों पर आधारित परियोजनाओं ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि सीबीएसई क्षेत्रीय अधिकारी जगदीश बर्मन तथा सीबीएसई नई दिल्ली के एडिशनल डायरेक्टर आर.पी. सिंह ने कौशल आधारित शिक्षा, प्रैक्टिकल लर्निंग और क्रिटिकल थिंकिंग पर बल दिया। विशेषज्ञों ने करियर, स्टार्टअप और उद्यमिता पर मार्गदर्शन दिया। प्राचार्या प्रतिमा राजगोर ने विद्यार्थियों में नवाचार, नेतृत्व क्षमता और व्यावहारिक कौशल विकसित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का समापन उपप्रधानाचार्य डॉ. संजय चौहान के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

पेज 11 के शेष ...

बंद नहीं होगा सरस्वती नगर ...

विकल्प पर विचार कर रहा है। ऐसे में फिलहाल इस फाटक को बंद नहीं किया जाएगा। डीआरएम दयानंद ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि फाटक बंद करने के लिए बनाई गई सड़क का उपयोग नहीं हो रहा है। यहां अंडरब्रिज बनाना भी संभव नहीं है। ऐसे में अन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इसके चलते फाटक बंद करने के उद्देश्य से बनाई गई करीब पौने दो करोड़ रुपये की सड़क फिलहाल बेकार साबित हो गई है।

फाटक बंद होने से रूटों पर बढ़ी ट्रेनों की रफ्तार : रेलवे फाटकों के बंद होने के बाद कई रूटों पर ट्रेनों की अधिकतम गति बढ़ाई गई है। मंदिर हसौद–अमनपुर सेक्शन में अधिकतम गति 80 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। दल्लीराजहरा- ताड़ोकी सेक्शन में भी अब ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। वहीं, नया रायपुर की लूप लाइनों पर गति बढ़ाकर 30 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इससे ट्रेनों के ठहराव का समय कम होगा और सफर पहले की तुलना में अधिक तेज व सुगम होगा।

कोल, शराब घोटाला में राम ...

कोषाध्यक्ष को कोर्ट में पेश करते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाया है। आरोपों के मुताबिक शराब, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग घोटाला से जुड़े लेन-देन की राशि को ठिकाने लगाने और वित्तीय लेन-देन में रामगोपाल की प्रमुख भूमिका रही है। एजेंसी का कहना है कि मामले में अभी कई अहम पहलुओं की जांच जारी है और आर्थिक लेन-देन की कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

दो माह में दो दर्जन से ...

पर शराब बिक्री की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए विभाग ने सभी जिलों में जिला स्तर पर उड़नदस्ता टीम गठित करने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश के तहत रायपुर जिले में भी उड़नदस्ता टीम गठित की गई है। इस टीम का गठन जून में हुआ है। इस टीम के प्रभारी सहायक जिला अधिकारी अनिल बंजारे हैं। उनके नेतृत्व में टीम 24 घंटे अवैध शराब का निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर निगरानी रखे हुए है। इसके लिए टीम लगातार शराब दुकानों की जांच भी कर रही है। इस जांच के दौरान ही टीम ने जून के आखिरी एवं जुलाई के प्रथम पखवाड़ा में 3 शराब दुकानों में ओवर रेट पर शराब बिक्री के प्रकरणों में 3 सेल्समैन के विरुद्ध कार्रवाई की है।

इन तीनों सेल्समैन को न केवल हटाने की कार्रवाई की है, बल्कि उनके नाम ब्लैक सूची में भी शामिल किया है, ताकि उन्हें किसी भी शराब दुकान में दोबारा किसी भी पद पर नौकरी नहीं मिले। हालांकि इनमें शराब दुकान में विभाग के जिला अधिकारी तक पहुंची शिकायत पर कार्रवाई हुई है।

पश्चिमी विक्षोभ हटते ही राज्य ...

धूप और उमसभरी गर्मी असर दिखा रही है। राज्य में सप्ताहभर तक बारिश होने की वजह से मौसम में ठंडकता आ गई थी। दो दिन से पानी गिरना बंद हुआ और तेज धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। शनिवार को राज्य का अधिकतमत तापमान 30 से 33 डिग्री के बीच रहा है। वातावरण में मौजूद उमस की वजह से गर्मी का प्रभाव दो गुना महसूस होता रहा। विशेषज्ञों की मानें, तो जुलाई की विदाई जोरदार बारिश के बीच हो सकती है। अभी एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर स्थित है।

इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 9.4 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। अभी पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है, जिसकी वजह से बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम स्थिर रहेगा। इसके प्रभाव से राज्य के कुछ स्थानों में बारिश भी होगा मगर जैसे ही विक्षोभ का असर कम होगा वैसे ही सिस्टम की सक्रियता बढ़ेगी और राज्य में पुनः बारिश का दौरा शुरू हो जाएगा। अनुमान है कि इस बार भी बारिश का प्रभाव रायपुर और बिलासपुर संभाग जिलों में रहने की संभावना है। अभी मानसून द्रोणिका जैसलमेर, दक्षिण पश्चिम राजस्थान, शिवपुरी, दतिया, सीधी, डाल्टनगंज और उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित निम्न दाब के केंद्र से होते हुए उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का पूर्व पश्चिम शियर जोन 24 डिग्री उत्तर में 3.1 किमी से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक मौजूद है। रविवार को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटें पड़ने की संभावना है।

मिलावट पकड़ने वाले ...

पांच से दस मिनट में हो जाती है। इस दौरान मिलावट साबित होने पर खाद्य पदार्थों को नष्ट करने और संबंधित प्रतिष्ठान के संचालक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम को काफी सुविधा होती है। एफएसएसएआई ने छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि प्रशासन इस जांच व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए करीब दो साल पहले यह वाहन उपलब्ध कराया था। इस वाहन के संचालन में आने वाले खर्च और काम करन वाले स्टॉफ के मानदेय की व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली फंड से की जाती थी। इसके लिए एफडीए को किए गए अनुबंध का हर साल रिनीवल कराना होता है। यह प्रक्रिया फरवरी में पूरा होना था मगर विभागीय सुस्ती की वजह से मामला अटक गया। अनुबंध का नवीनीकरण नहीं होने की वजह से केंद्र सरकार ने फंड आवंटन पर रोक लगा दी।

इसका नतीजा यह हुआ कि फूड टेस्टिंग के मोबाइल लैब खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कार्यालय का शो पीस बनकर रह गया। इस बारे में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल ने बताया कि तकनीकी कारणों एमओयू का रिनीवल नहीं हो पाया था। इसकी प्रक्रिया पूरी की जा रही है जिससे पुनः जांच शुरू हो जाएगी।

प्रदेश स्तरीय 'मुखी संवाद' सम्मेलन आज, सिंधी समाज के लिए करेंगे मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा 26 जुलाई को रायपुर के जोरा स्थित बैंक्वेट हॉल में प्रदेश स्तरीय 'मुखी संवाद' सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई है।

इस कार्यक्रम में प्रदेशभर की लगभग 124 सिंधी पंचायतों के मुखी और पदाधिकारी शामिल होकर समाज की एकता, नए संविधान और पारिवारिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस मुखी संवाद कार्यक्रम में विशेष अतिथि राज्यपाल रमन डेका, रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा शदाणी दरबार के संत साईं युधिष्ठिर लाल, साईं लालदास चकरभाठा भी अपना आशीर्वाद देने उपस्थित रहेंगे।

पंचायत के सह प्रवक्ता गौरव मंधानी ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी में अध्यक्ष महेश दरयानी, बलराम आहूजा, तनेश आहूजा, विकास रूपरेला, अनिल लाहौरी, मनीष पंजवानी आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नीट पर्चा लीक पर किया एनएसयूआई ने प्रदर्शन

अभनपुर। नीट परीक्षा में कथित धांधली एवं अनियमितताओं के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा अभनपुर बस स्टैंड में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे कथित अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शन में जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू भी शामिल रहे। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष पूरनानंद साहू एवं जिलाध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने कहा कि नीट परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ियों से देश के लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए एनएसयूआई का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर विद्याभूषण सोनवानी,चंद्रहास साहू, उपजीत सचदेवा,नीलकमल गिलहरे, डोमेंद्र साहू,कुलदीप भार्गव, सृजन शर्मा, अभिषेक शर्मा, कुणाल ध्रुव, वासु सिन्हा, जितेश साहू,अमित सिन्हा, संजय पटेल, मोन्टु भार्गव, सौरभ सोनी, अनुभव जैन, शंकर साहू, अशफ़ाक लखानी, गेंदालाल साहू, रॉबिन एंथोनी, खुशांक एवं योगेश सहित छात्र नेता अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सतनाम भजन कलाकार समिति छत्तीसगढ़ द्वारा किया जाएगा समाज के प्रतिभा का सम्मान

मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के समीप स्थित तुलसी बारा डेरा गुरु अमर दास धाम में सतनाम भजन कलाकार समिति छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 29 जुलाई बुधवार को प्रातः स्मरणीय गुरु घासीदास बाबा जी के प्रथम सुपुत्र बाल ब्रम्हचारी, सत्यवादी महामानव , आध्यात्मिक गुरु अमरदास जी के जन्मोत्सव जयंती व गुरु पूर्णिमा का आयोजन रखा गया है, जो अमर दास धाम बाराडेरा में संवैधानिक सिद्धांतिक और धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सर्व प्रथम पवित्र सतनाम के आदर्श चिन्ह श्वेत जोड़ा जैतखाम का पूजन अर्चना मंगल भजन चौक के साथ शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही सामाजिक एकजुटता, समाज को गौरवान्वित करने समाजसेवी, समाज के सादगी रीति-रिवाज को क्रियान्वित करने वाले वाले वरिष्ठ नागरिक, पत्रकार, शिक्षक, डॉक्टर, वकिल, सैनिक, साहित्य कार शिक्षा में अग्रणी मेरिट 10वीं, 12वीं पास छात्र/छात्राओं का सम्मान किया जाना है, जिसमें समस्त मानव समाज, समाजसेवी , संत, कड़ीहार, से अपील किया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता बने । कार्यक्रम आयोजक गुरु संदेश संवाहक कलाकार प्रदेश के मुख्या राम जी जोशी, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सोनवानी, महासचिव राजेश बंजारे, कोषाध्यक्ष खेमचंद कुर्रे, संरक्षक ऋषी कुर्रे, मोतीलाल घृतलहरे, संयोजक रंजीत गायकवाड़ , मानिक राम महिलागे , किस्मत भारती ,रमन भारती समीति के बैठक में शामिल होकर जन सर्वमान्य को अपील कर कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सफल बनावें।

संदिग्धों का फौरन दें हिसाब, बिना पुलिस सत्यापन किराए पर मकान दिया तो कार्रवाई

थानेदार का कोटवारों को फरमान गांव के चप्पे-चप्पे पर हो पैनी नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

रायपुर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र धरसींवा और सिलतरा में बाहरी और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत करने और अपराधों की रोकथाम के लिए धरसींवा और सिलतरा थाना परिसर में कोटवारों की एक महत्वपूर्ण आपात बैठक आयोजित की गई। औद्योगिक हब होने के कारण इन इलाकों में देश के विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में मजदूर और कामगार आते हैं। इस आवाजाही के बीच सुरक्षा में सेंध न लगे, इसके लिए पुलिस ने गांव-गांव में फैले अपने सबसे पुराने और प्रभावी नेटवर्क 'कोटवारों' को एक बार फिर से री-एक्टिवेट कर दिया है।

बता दे कि इस बैठक में क्षेत्र के लगभग 40 गांवों से आए कोटवारों को थाना प्रभारियों द्वारा सीधे और कड़े लहजे में निर्देश दिए गए। सिलतरा थाना प्रभारी राजेंद्र कवर ने कोटवारों को स्पष्ट किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पुलिस की 'आंख और कान' बनकर काम करें। गांव के चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर रखने, नए आने वाले मुसाफिरों, अवैध प्रवासियों और संदिग्धों का पूरा हिसाब-किताब तुरंत थाने तक पहुंचाने की जिम्मेदारी अब सीधे तौर पर कोटवारों की होगी। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल, सिलतरा और धरसींवा की फैक्ट्रियों में रोजाना नए लोगों की आमद होती है।

कई बार स्थानीय मकान मालिक थोड़े से पैसों के लालच में बिना किसी पहचान पत्र और पुलिस वेरिफिकेशन के किसी को भी कमरा किराए पर दे देते हैं। पूर्व में सिलतरा की ही एक फैक्ट्री से फर्जी पहचान बनाकर रह रहे बिहार के 25 हजार रुपये के इनामी भगोड़े अपराधी की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि वेरिफिकेशन न होना कितना बड़ा खतरा साबित हो सकता है। इसी पुरानी चूक से सबक लेते हुए पुलिस प्रशासन ने अब किराएदारों के सत्यापन को अनिवार्य बनाते हुए बिना वेरिफिकेशन कमरे देने वाले मकान मालिकों पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई की गाज गिराने की तैयारी कर ली है। पुलिस के इस सख्त रुख और लगातार हो रही घेराबंदी से क्षेत्र के असामाजिक तत्वों और नियमों की अनदेखी करने वाले मकान मालिकों में हड़कंप का माहौल है।

अपराध रोकना हमारी प्राथमिकता

औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण रायपुर ग्रामीण का यह इलाका सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद संवेदनशील है। सिलतरा और धरसींवा में बाहरी लोगों की आवाजाही पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कोटवारों की बैठक लेकर उन्हें गांव की हर गतिविधि की पल-पल की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। बिना पुलिस वेरिफिकेशन किराएदार देने वाले मकान मालिकों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति बनाए रखना और अपराध रोकना हमारी प्राथमिकता है।

एग्री स्टैक पोर्टल पंजीयन के लिए घोषित तिथि का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी

एग्री स्टेक पोर्टल पर सामलात (संयुक्त) खातेदारों के सभी सदस्यों का पंजीयन 31 जुलाई तक अनिवार्य किए जाने के निर्णय का विरोध तेज हो गया है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने इसे किसानों के हितों के विरुद्ध बताते हुए सरकार पर किसानों को अनावश्यक परेशान करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खरीफ सीजन के दौरान किसान खेती-किसानी के कार्यों में पूरी तरह व्यस्त हैं, ऐसे समय में अंतिम तिथि निर्धारित करना किसानों पर अतिरिक्त बोझ डालने जैसा है। उधोराम वर्मा ने कहा कि प्रदेशभर में किसान एग्री स्टेक पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए चॉइस सेंटरों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। वहीं पोर्टल की धीमी गति (स्लो सर्वर) के कारण किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार ऐसी व्यवस्थाएं लागू कर रही है, जिनसे किसान हतोत्साहित हो रहे हैं। पहले खाद और बीज की कमी, बिजली संकट, फिर गिरदावरी, अनावरी और अब एग्री स्टेक पोर्टल पर अनिवार्य पंजीयन जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से किसानों के सामने नई-नई बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। उनका आरोप है कि सरकार धान खरीदी की प्रक्रिया को कठिन बनाना चाहती है। वर्मा ने कहा कि अब सामलात खातेदारों के मामले में खाते में शामिल प्रत्येक सदस्य का अलग-अलग पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि अब तक संयुक्त खाते में लम्बरदार (मुखिया) के नाम से ही पंजीयन, गिरदावरी, अनावरी तथा समितियों में धान विक्रय की प्रक्रिया संपन्न होती रही है। ऐसे में नया नियम किसानों के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बनेगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि एग्री स्टेक पोर्टल पर सभी खाताधारकों का पंजीयन पूर्ण होने तक इस प्रक्रिया को जारी रखा जाए और 31 जुलाई जैसी अंतिम तिथि समाप्त की जाए। उन्होंने कहा कि खेती के व्यस्त मौसम में अंतिम तिथि तय करना तुगलकी फरमान है, जिसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए ताकि किसानों को राहत मिल सके।

खोरपा में 29 जुलाई को मनेगा गुरु पूर्णिमा महापर्व

अभनपुर। गायत्री प्रज्ञा पीठ खोरपा में आगामी 29 जुलाई को होने वाले गुरु पूर्णिमा महापर्व एवं माता भगवती देवी शर्मा जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गायत्री परिवार की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां तय की गईं। गोष्ठी में आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर दुर्गा दयाल धीवर, बुधारु साहू, कुंजलाल, जसू राम, चेतन, ताम्रध्वज साहू सहित गायत्री परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में भजन संध्या

रायपुर। मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर पर स्थित श्री सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में शीतला जुड़वास के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें रज्जू ठाकुर और उनकी मंडली ने देवी जसगीत और रोचन भजनों की प्रस्तुति दी। मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल साहू, सोमनाथ निषाद ने बताया कि मंदिर में सावन में मासिक रामायण पाठ की तैयारी शुरु कर दी है। सावन में जलाभिषेक के लिए सोमवार को कावरियों का आगमन मंदिर में होता है। मंदिर परिसर में कांवरियों के आवास की व्यवस्था की जाएगी। भजन संध्या में दीनदयाल साहू, मुक्ति साहू, किशोर गुरुजी, नीलकंठ सारथी, रामू सारथी, गंगा ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

आरंग में एल्डरमैनों ने ली शपथ, मंत्री ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

नगर पालिका परिषद आरंग के नवनियुक्त एल्डरमैनों का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को नगर पालिका परिषद परिसर में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, एसडीएम अभिलाषा पैकरा, सीएमओ राम संजीवन सोनवानी, नगर पालिका परिषद के पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान एसडीएम अभिलाषा पैकरा ने नवनियुक्त एल्डरमैन आनंदमूर्ति अग्रवाल, आशा वैष्णव, शंकरलाल जलक्षत्री, निर्मला साहू एवं सतीश सोनकर को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों को बधाई देते हुए कहा कि नगर के विकास और जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी को मिल-जुलकर समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवमनोनीत एल्डरमैन अपने अनुभव और सक्रिय सहभागिता से नगर के विकास को नई दिशा देंगे। शपथ ग्रहण के उपरांत नवनियुक्त एल्डरमैनों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह में नगर पालिका परिषद के पार्षदों ने भी नवनियुक्त एल्डरमैनों को शुभकामनाएं दीं।

भाजयुमो अटल नगर मंडल की नई टीम में प्रफुल्ल बने महामंत्री

आरंग। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) अटल नगर मंडल की नई कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। संगठन के विस्तार और युवाओं को अधिक सक्रिय भूमिका देने के उद्देश्य से जारी इस सूची में आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रीवा निवासी युवा नेता प्रफुल्ल साहू को मंडल महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब तथा भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा के मार्गदर्शन में, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, भाजयुमो जिला अध्यक्ष पिंटू साहू एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष टेशवन बघेल की सहमति से की गई। अटल नगर मंडल अध्यक्ष महेश यादव ने नवीन पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी से संगठन की मजबूती और जनसेवा के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष महेश यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित टीम भाजपा की रीति-नीति तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव और युवा वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल साहू सहित पूरी टीम संगठन को नई ऊर्जा देने के साथ युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का कार्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेगी। प्रफुल्ल साहू को महामंत्री बनाए जाने की खबर से ग्राम रीवा सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। साहू समाज के लोगों ने इसे समाज के युवाओं के लिए सम्मान की बात बताते हुए खुशी जताई है। समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रफुल्ल साहू अपने मिलनसार व्यक्तित्व, सक्रिय सामाजिक कार्यों और संगठनात्मक क्षमता के बल पर पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

पेज 11 के शेष...

बंद नहीं होगा ...

विकल्प पर विचार कर रहा है। ऐसे में फिलहाल इस फाटक को बंद नहीं किया जाएगा। डीआरएम दयानंद ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि फाटक बंद करने के लिए बनाई गई सड़क का उपयोग नहीं हो रहा है। यहां अंडरब्रिज बनाना भी संभव नहीं है। ऐसे में अन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इसके चलते फाटक बंद करने के उद्देश्य से बनाई गई करीब पौने दो करोड़ रुपये की सड़क फिलहाल बेकार साबित हो गई है। **फाटक बंद होने से रूटों पर बढ़ी ट्रेनों की रफ्तार :** रेलवे फाटकों के बंद होने के बाद कई रूटों पर ट्रेनों की अधिकतम गति बढ़ाई गई है। मंदिर हसौद–अभनपुर सेक्शन में अधिकतम गति 80 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। दल्लीराजहरा- ताड़ोकी सेक्शन में भी अब ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। वहीं, नया रायपुर की लूप लाइनों पर गति बढ़ाकर 30 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इससे ट्रेनों के ठहराव का समय कम होगा और सफर पहले की तुलना में अधिक तेज व सुगम होगा।

कोल, शराब घोटाला ...

कोषाध्यक्ष को कोर्ट में पेश करते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाया है। आरोपों के मुताबिक शराब, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग घोटाला से जुड़े लेन-देन की राशि को ठिकाने लगाने और वित्तीय लेन-देन में रामगोपाल की प्रमुख भूमिका रही है। एजेंसी का कहना है कि मामले में अभी कई अहम पहलुओं की जांच जारी है और आर्थिक लेन-देन की कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

दो माह में दो दर्जन ...

पर शराब बिक्री की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए विभाग ने सभी जिलों में जिला स्तर पर उड़नदस्ता टीम गठित करने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश के तहत रायपुर जिले में भी उड़नदस्ता टीम गठित की गई है। इस टीम का गठन जून में हुआ है। इस टीम के प्रभारी सहायक जिला अधिकारी अनिल बंजारे हैं। उनके नेतृत्व में टीम 24 घंटे अवैध शराब का निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर निगरानी रखे हुए है। इसके लिए टीम लगातार शराब दुकानों की जांच भी कर रही है। इस जांच के दौरान ही टीम ने जून के आखिरी एवं जुलाई के प्रथम पखवाड़ा में 3 शराब दुकानों में ओवर रेट पर शराब बिक्री के प्रकरणों में 3 सेल्समैन के विरुद्ध कार्रवाई की है। इन तीनों सेल्समैन को न केवल हटाने की कार्रवाई की है, बल्कि उनके नाम ब्लैक सूची में भी शामिल किया है, ताकि उन्हें किसी भी शराब दुकान में दोबारा किसी भी पद पर नौकरी नहीं मिले। हालांकि इनमें शराब दुकान में विभाग के जिला अधिकारी तक पहुंची शिकायत पर कार्रवाई हुई है।

पश्चिमी विक्षोभ हटते ...

धूप और उमसभरी गर्मी असर दिखा रही है। राज्य में सप्ताहभर तक बारिश होने की वजह से मौसम में ठंडकता आ गई थी। दो दिन से पानी गिरना बंद हुआ और तेज धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। शनिवार को राज्य का अधिकतमत तापमान 30 से 33 डिग्री के बीच रहा है। वातावरण में मौजूद उमस की वजह से गर्मी का प्रभाव दो गुना महसूस होता रहा। विशेषज्ञों की मानें, तो जुलाई की विदाई जोरदार बारिश के बीच हो सकती है। अभी एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 9.4 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। अभी पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है, जिसकी वजह से बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम स्थिर रहेगा। इसके प्रभाव से राज्य के कुछ स्थानों में बारिश भी होगा मगर जैसे ही विक्षोभ का असर कम होगा वैसे ही सिस्टम की सक्रियता बढ़ेगी और राज्य में पुनः बारिश का दौरा शुरू हो जाएगा। अनुमान है कि इस बार भी बारिश का प्रभाव रायपुर और बिलासपुर संभाग जिलों में रहने की संभावना है। अभी मानसून द्रोणिका जैसलमेर, दक्षिण पश्चिम राजस्थान, शिवपुरी, दतिया, सीधी, डाल्टनगंज और उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित निम्न दाब के केंद्र से होते हुए उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का पूर्व पश्चिम शियर जोन 24 डिग्री उत्तर में 3.1 किमी से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक मौजूद है। रविवार को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छीटें पड़ने की संभावना है।

मिलावट पकड़ने वाले ...

पांच से दस मिनट में हो जाती है। इस दौरान मिलावट साबित होने पर खाद्य पदार्थों को नष्ट करने और संबंधित प्रतिष्ठान के संचालक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम को काफी सुविधा होती है। एफएसएसएआई ने छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि प्रशासन इस जांच व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए करीब दो साल पहले यह वाहन उपलब्ध कराया था। इस वाहन के संचालन में आने वाले खर्च और काम करन वाले स्टॉफ के मानदेय की व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली फंड से की जाती थी। इसके लिए एफडीए को किए गए अनुबंध का हर साल रिनीवल कराना होता है। यह प्रक्रिया फरवरी में पूरा होना था मगर विभागीय सुस्ती की वजह से मामला अटक गया। अनुबंध का नवीनीकरण नहीं होने की वजह से केंद्र सरकार ने फंड आवंटन पर रोक लगा दी। इसका नतीजा यह हुआ कि फूड टेस्टिंग के मोबाइल लैब खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कार्यालय का शो पीस बनकर रह गया। इस बारे में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल ने बताया कि तकनीकी कारणों एमओयू का रिनीवल नहीं हो पाया था। इसकी प्रक्रिया पूरी की जा रही है जिससे पुनः जांच शुरू हो जाएगी।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, उप तहसील सारागांव जिला-रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रं./ब-121/वर्ष 2026

सारागांव दिनांक 24/07/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक ईश्वरी यादव पिता संतोष यादव निवासी ग्राम कुरूद सिलयारी, जिला-रायपुर छ.ग. के द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है मेरे दादा बाबुलाल यादव पिता मिलऊ का मृत्यु दिनांक 17/01/2015 को ग्राम कुरूद सिलयारी घर पर हुआ था, जिसका पंजीयन नहीं हो पाया है। अतः आवेदक द्वारा रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) को पंजीयन हेतु आदेश जारी करने का निवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 03/08/2026 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं नियत पेशी दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24 / 07 / 2026 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
उप तहसील सारागांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

मुहर

थाना प्रभारी ने लिया रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल का संकल्प

धरसींवां थाना परिसर में रोपे फल व छायादार पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल करते हुए शारडा एनर्जी एंड मिनिरल्स लिमिटेड की ओर से थाना धरसींवां परिसर में वृहद पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना परिसर में कई फलदार और छायादार पौधे लगाए गए तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद शारडा एनर्जी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) श्री विवेक चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा की आज के समय में पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उद्योग चलाने के साथ-साथ समाज और प्रकृति की देखभाल करना भी हमारी प्राथमिकता है। पेड़-पौधे न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण भी तैयार करते हैं। थाना परिसर जैसी सार्वजनिक और सुरक्षित जगह पर पौधे लगाने से इनकी सही देखरेख हो सकेगी। हमारी कंपनी अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत इस तरह की हरित पहलों को आगे भी जारी रखेगी।

एक-एक पेड़ को बचाना हमारा फर्ज : दीवान

थाना प्रभारी श्री राजेन्द्र दिवान ने कहा पुलिस विभाग कानून-व्यवस्था संभालने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक कार्यों में भी हमेशा तत्पर रहता है। थाना परिसर में शारडा एनर्जी एंड मिनिरल्स लिमिटेड के सहयोग से पौधे लगाने से यहाँ का वातावरण शुद्ध, स्वच्छ और खुशनुमा बनेगा। केवल पौधे लगा देना ही काफी नहीं होता, बल्कि उनकी सही देखरेख और सुरक्षा करना सबसे ज्यादा जरूरी है।

इसलिए हम सभी पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इन पौधों को अपना समझें। थाना परिवार परिसर में रोपे गए एक-एक पौधे की नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा करने का पूरा संकल्प लेता है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा और स्वस्थ वातावरण तैयार हो सके।वृक्षारोपण अभियान में कंपनी के मानव संसाधन अधिकारी श्री राकेश वर्मा, शारडा एनर्जी के अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा थाना धरसींवां के सभी अधिकारियों और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

नए स्टार्टअप के अवसरों से जुड़ेगा छत्तीसगढ़

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से 12 से 15 अगस्त तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले भारत व्यापार महोत्सव में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं रिकार्ड भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैठक प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के 26 जिलों के जिला अध्यक्ष और प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कैट के नेशनल वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि भारत व्यापार महोत्सव केवल एक ट्रेड फेयर नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक शक्ति, स्वदेशी उद्यमिता और वैश्विक व्यापार का सबसे बड़ा संगम है। यह महोत्सव देश के व्यापारियों, उद्योगपतियों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और युवा उद्यमियों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए व्यापारिक अवसरों का प्रवेश द्वार सिद्ध होगा।

हाईवे पर हेलमेट अनिवार्य करने की मांग सीएम को लिखा पत्र

रायपुर। नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद रमेश आहूजा एवं महामंत्री किशोर आहूजा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर हाईवे पर शीघ्र हेलमेट अनिवार्य करने की मांग की है। श्री आहूजा द्वय ने कहा कि हम लगातार 7 महीने से आपसे यह मांग कर रहे हैं। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ में 2023 से 2025 तक एक्सीडेंट व मृत्यु के आंकड़े 8 जनवरी को जारी किए थे, इनमें 2023 एक्सीडेंट 13468, मृत्यु 6166, 2024 एक्सीडेंट 14857, मृत्यु 6945, 2025 एक्सीडेंट 13504, मृत्यु 5955 हुए है। राज्य शासन के आदेश पर अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने 27 अप्रैल को केंद्रीय कानून एवं छत्तीसगढ़ के कानून के तहत बाइक सवार एवं सह सवार के लिए हेलमेट लगाने का आदेश जारी कर दिया था, जो रायपुर के सभी समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। इसके बाद सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में हेलमेट पर कोई चर्चा नहीं की गई।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा छात्रों और विपक्ष के एकजुट संघर्ष की जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जुहार परिवार के प्रदेशाध्यक्ष संजय नाग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को छात्रों और विपक्ष के एकजुट संघर्ष की ऐतिहासिक जीत करार दिया है। श्री नाग ने जोरदार हमला बोलते हुए कहा, छात्रों के उग्र प्रदर्शन और विपक्ष के चौतरफा दबाव के आगे आखिरकार अहंकारी केंद्र सरकार को घुटने टेकने ही पड़े। छात्रों और विपक्ष की एकजुटता रंग लाई है, जिसने सत्ता के अहंकार को चकनाचूर कर दिया। यह इस्तीफा कोई नैतिकता नहीं, बल्कि जनआक्रोश से बचने और अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने का देर से किया गया 'डैमेज कंट्रोल' मात्र है। पेपर लीक और धांधली से करोड़ों युवाओं के भविष्य को छलने वाली सरकार सिर्फ एक इस्तीफे से अपने पाप नहीं धो सकती। युवाओं के सपनों का कत्ल करने वाले इस भ्रष्ट तंत्र का पूरा हिसाब होना अभी बाकी है।

दूरवर्ती क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ कर सकता है एआई आधारित वर्चुअल हॉस्पिटल इकोसिस्टम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एआई आधारित वर्चुअल हॉस्पिटल इकोसिस्टम छत्तीसगढ़ के ग्रामीण, आदिवासी एवं स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ कर सकता है। यूएई स्थित मल्क इंटरनेशनल समूह की डिजिटल हेल्थकेयर इकाई मल्क मेड हेल्थकेयर ने हाल ही में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स के छत्तीसगढ़ चैप्टर के समक्ष अपने एआई आधारित वर्चुअल हॉस्पिटल इकोसिस्टम का प्रस्तुतिकरण किया।

इस आयोजन में एएचपीआई के केंद्रीय उप महानिदेशक डा. सुनील खेतरपाल, छत्तीसगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष डा. राकेश गुप्ता, सचिव अतुल सिंघानिया मल्क मेड हेल्थकेयर के प्रतिनिधियों तथा भारत में उनके रणनीतिक सहयोगी डीवाई पाटिल समूह के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में इस बात पर विस्तार से चर्चा की गई कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म तथा मोबाइल हेल्थकेयर समाधान किस प्रकार वर्तमान अस्पतालों की सेवाओं को पूरक बनाते हुए दूरस्थ एवं चिकित्सा सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों तक विशेषज्ञ परामर्श एवं निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा सकते हैं। सचिव अतुल सिंघानिया ने बताया कि प्रस्तावित इकोसिस्टम भारत सरकार के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अनुरूप विकसित किया गया है तथा देश में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों तथा उन क्षेत्रों में इस तकनीक के संभावित उपयोग पर चर्चा की, जहां विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता अभी भी सीमित है।

यूएआई की मल्क मेड ने एएचपीआई छत्तीसगढ़ के समक्ष दिया प्रस्तुतिकरण

स्वास्थ्य सेवाओं में प्रभावी भूमिका

बैठक के बाद एएचपीआई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियां तेजी से विकसित हो रही हैं और पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ऐसी तकनीकें विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा जैसे आदिवासी क्षेत्रों तथा अन्य आकांक्षी जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में सहायक हो सकती हैं। मल्क मेड हेल्थकेयर की मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. सना किब्रिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य अस्पतालों का स्थान लेना नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर कार्य करना है। एआई आधारित स्क्रीनिंग, टेलीमेडिसिन एवं डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को दूरस्थ एवं वंचित समुदायों तक पहुंचाया जा सकता है।

विशेष प्रौद्योगिकी फोरम का आयोजन

एएचपीआई छत्तीसगढ़ अपने सदस्य अस्पतालों के लिए एक विशेष प्रौद्योगिकी फोरम आयोजित करने पर विचार कर रहा है, जिसमें मल्क मेड हेल्थकेयर अपने प्रस्तावित वर्चुअल हॉस्पिटल इकोसिस्टम का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करेगा।

मार्निंग और इवनिंग वॉक करने वाले हैरान

करोड़ों खर्च कर 'बघवा' को सजाया पर अंधेरे ने कर दिया सब चौपट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

संत रविदास वार्ड के रायपुरा स्थित विप्र नगर के बघवा तालाब गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और गार्डन विकसित करने का काम 2.50 करोड़ खर्च होने के बाद भी आधा-अधूरा हो पाया है। तालाब की दशा तो सुधरी, पर पाथ-वे के आसपास लगाई गई तमाम स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद पड़ी हैं। विद्युत विभाग से मीटर और टाइमर लगाने के बाद भी स्ट्रीट लाइटें बंद होने से लोग हैरान हैं। वार्ड पार्षद अर्जुन यादव ने चार बार इस संबंध में जोन 8 कमिश्नर, निगम आयुक्त और महापौर मीनल चौबे को पत्र भी लिखा, इसके बाद भी बंद पड़ी लाइटों को आज तक सुधारा नहीं जा सका है। ठेका एजेंसी और निगम की मनमानी का खामियाजा वहां के रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। बारिश के सीजन में सांझ ढलते ही बघवा तालाब और उससे लगे गार्डन मे अंधेरा छाने से लोग यहां आने-जाने से कतरा रहे हैं। वहीं असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने से महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चों को यहां आने में डर सताने लगा है।

रायपुरा क्षेत्र के बघवा तालाब और उससे लगे क्षेत्र में सुंदर बगीचा विकसित करने के बाद न तो जोन 8 के अधिकारियों ने इसकी सुध ली, न ही निगम मुख्यालय से इंजीनियर कभी ये देखने आए कि तालाब वहां की स्थिति क्या है? तालाब की स्ट्रीट लाइटें बंद होने और ओपन जिम की स्थापना नहीं होने के बाद भी इसे एकतरफा हैंडओवर की हड़बड़ी की जा रही है, जबकि संबंधित जोन के अधिकारी और वार्ड पार्षद चाहते हैं कि अनुबंधित एजेंसी से पहले पूरा काम कराया जाए इसके बाद ही हैंडओवर पर विचार होगा।

कहां है ओपन जिम

अमृत मिशन के अंतर्गत तालाब का काम हुआ है, इसमें ओपन जिम का भी प्रावधान है। इसके लिए तालाब के कई हिस्सों में बड़ा भूखंड भी है, लेकिन आज तक जिम के उपकरण नहीं लगे। जिम की जगह बेडमिंटन कोट जरूर बनाया गया है, पर यह सिर्फ मवेशियों के काम आ रहा है।

कई घरों में हो चुकी चोरी

अंधेरे और पुलिस की उदासीनता की वजह से विप्रनगर कालोनी में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस का फेरा यहां लगता ही नहीं है। वारदात होने के बाद महज खानापूर्ति जैसी ही कार्रवाई हो पाती है। ज्यादातर मामलों में महज सूचना ही दर्ज होती है, एफआईआर नहीं। पुलिस की ढिलाई की वजह से असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं।

दिखवाता हूं

रायपुरा के बघवा तालाब और उससे लगे गार्डन क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, यह शिकायत संज्ञान में आई है, इसे दिखवाता हूं। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराया जाएगा।
- **संबित मिश्रा**, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

चार गांजा तस्करों को 20 तथा 10 वर्ष कैद के साथ जुर्माना

कोर्ट ने दो अलग-अलग प्रकरणों में आरोपियों को सुनाई सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गांजा तस्करी के दो अलग-अलग प्रकरण में कोर्ट ने चार लोगों को 10 तथा 20 वर्ष कैद के साथ एक-एक तथा दो-दो लाख जुर्माने की सजा सुनाई है। प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायाधीश डमरूधर चौहान तथा शैलेश शर्मा की एनडीपीएस कोर्ट में हुई है। एक प्रकरण तीन वर्ष पूर्व का है। एक अन्य प्रकरण पिछले वर्ष का है।

विशेष लोक अभियोजक केके चंद्राकर के अनुसार डमरूधर की कोर्ट ने दुर्ग निवासी मनीष बसोर तथा विक्की मानिकपुरी को 10-10 साल कैद के साथ एक-एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी देवभोग के रास्ते बाइक में ओडिशा से गांजा तस्करी कर दुर्ग ले जा रहे थे। बाइक की तलाशी लेने पर आरोपियों की डिक्की से अलग-अलग पैकेट में पांच किलो गांजा जब्त किय गया था। गांजा जब्ती की घटना 29 जून 023 की है।

पिकअप से गांजा बेचने सारंगढ़ ले जा रहे थे

विशेष लोक अभियोजक स्वाति शर्मा के अनुसार कोर्ट ने मध्यप्रदेश निवासी जगदीश भाटिया तथा ओडिशा निवासी भुयना दिगल को 20-20 वर्ष कैद के साथ दो-दो लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। दोनों आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने पिकअप वाहन में 83 किलो गांजा जब्त किया था। मोबाइल की जांच करने पर पुलिस ने पाया कि भुयना गांजा का सौदा कर सारंगढ़ के जंगल में छोड़ने जा रहा था। इसके लिए उसने एक लाख रुपए भी ले लिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से सात जनवरी 2025 को गांजा जब्ती किया था।

मांग पूरी नहीं होने पर नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ करेगा 6 और 7 अगस्त को संभागस्तरीय आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ ने वेतन विसंगति सहित अन्य मांगों को लेकर 6 और 7 अगस्त को संभाग स्तरीय आंदोलन करने का ऐलान किया है। महासंघ ने 2 दिवसीय आंदोलन और रैली के लिए पुलिस कमिश्नर रायपुर और जिला दंडाधिकारी को हड़ताल और रैली निकालने की अनुमति के लिए आवेदन किया है। नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर लामबंद नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कराने प्रदर्शन करेंगे।

- हड़ताल और रैली की अनुमति के लिए पुलिस कमिश्नर, जिला दंडाधिकारी को किया आवेदन

दरअसल, प्रदेशभर के 14 नगर निगम, 54 नगर पालिका, 124 नगर पंचायतों में कार्य करने वाले नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कराने मोर्चा खोल दिया है। महासंघ के अध्यक्ष खेमूलाल निषाद, कार्यकारी अध्यक्ष संजय ऐडे ने बताया कि, पिछले 15 से 20 सालों से प्रदेश के नगरीय निकाय, नगरपालिका और नगर पंचायत में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों के मांगों की अनदेखी होने से प्रदेशभर के नगरीय निकाय कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। महासंघ की मांग है कि संचालनालय नगरीय प्रशासन विभाग में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों की भांति नगरीय निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को भी संविदा दर पर पारिश्रमिक भुगतान किया जाए। इसी तरह 4 नए श्रम कानून नगरीय निकायों में लागू किया जावे।

नीट परीक्षा को लेकर राजधानी में आयोजित आंदोलन ठंडा पड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नीट एग्जाम को लेकर भीम आर्मी, एनएसयूआई सहित कई संगठन ने रविवार को रायपुर में बड़े प्रदर्शन कर राजभवन का घेराव करने की चेतावनी दी थी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र देने के बाद दिल्ली में आंदोलनकारी कॉकरोच जनता पार्टी ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी है। रायपुर के छात्र संगठनों ने अभी तक आंदोलन समाप्त करने की घोषणा नहीं की है। इस बात को ध्यान में रखते हुए संबंधित छात्र संगठन के नेताओं को डीसीपी ने मिलने के लिए बुलाया।

- सुरक्षा के लिहाज से राजभवन के पास बैरिकेड लगाए गए

डीसीपी से मिलने गए छात्र नेताओं ने रविवार को प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन कर रैली निकालने डीसीपी को आश्वासन दिया है। डीसीपी ने कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। बताया जा रहा है, डीसीपी से मिलने गए कई छात्र संगठन केंद्रीय मंत्री के त्यागपत्र के बाद आंदोलन के पक्ष में नहीं हैं।

राजभवन के आसपास बैरिकेडिंग

किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने तथा राजभवन जाने के मार्ग के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया है। डीसीपी तारकेश्वर पटेल के अनुसार सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। गड़बड़ी करने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ डीसीपी ने सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कल से, घर-घर जाएगी टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्य सोमवार से रायपुर जिले में शुरू होने जा रहा है। कलेक्टर गौरव सिंह ने इस संबंध में आदेश भी जारी किया है। इस सर्वेक्षण के लिए योजना एवं सांख्यिकी विभाग के जिला एवं मुख्यालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाई गई है, जो तय लक्ष्य के तहत चयनित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों के घर-घर जाकर उनके रोजगार, व्यवसाय एवं आय से संबंधित बिंदुओं पर जानकारी लेकर इसकी ऑनलाइन एंट्री विभाग के पोर्टल पर करेगी।

- ऋण-निवेश, प्रवासन एवं असंगठित सेवा परिवारों के रोजगार, व्यवसाय एवं कमाई की रिपोर्ट करेगी तैयार

सर्वेक्षण के दौरान टेबलेट पर ऑनलाइन एंट्री : सर्वेक्षण का कार्य 31 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान सर्वेक्षण की टीम मौके पर टेबलेब के जरिए परिवारों द्वारा दी जाने वाली जानकारी की ऑनलाइन एंट्री पोर्टल में की जाएगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे राष्ट्रीय महत्व के इस सर्वेक्षण में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करें, जिससे जिले से संबंधित सामाजिक एवं आर्थिक आंकड़ों का सटीक संकलन किया जा सके। इन आंकड़ों का उपयोग विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में किया जाएगा।

बनाई गई है टीम

अखिल भारतीय ऋण-निवेश, असंगठित सेवा क्षेत्र एवं प्रवासन सर्वेक्षण का कार्य सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इसके लिए टीम गठित की गई है।
रामनारायण वर्मा, सहायक जिला अधिकारी योजना-सांख्यिकी विभाग

एनएसएस का 81वां राउंड

योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर ने इस सर्वेक्षण से संबंधित आदेश 17 जुलाई को जारी किया है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण का यह 81वां राउंड है। इस राउंड के अंतर्गत अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस), असंगठित सेवा क्षेत्र सर्वेक्षण (एसएएस) तथा प्रवासन (माइग्रेशन) सर्वेक्षण के लिए जिले में 6 सदस्यों की टीम बनाई गई है। इस टीम में संचालनालय विभाग से 6 सदस्य भी शामिल रहेंगे, जिनके नेतृत्व में टीम शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में चयनित ब्लॉक एवं ग्राम में जाकर चुनिंदा घरों में जाकर परिवारों से रोजगार, व्यवसाय एवं आय से संबंधित जानकारी ली जाएगी।

4 राउंड में होगा सर्वेक्षण का कार्य

विभाग के अधिकारी के अनुसार सर्वेक्षण का कार्य सालभर में चार राउंड में होंगे। इसके लिए चयनित शहर के ब्लॉक एवं ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामों के चयन किए गए है। प्रत्येक राउंड में लगभग 2 से ढाई सौ परिवारों की रिपोर्ट तैयार की जानी है।

शहर-ग्रामीण क्षेत्र के 72 ब्लॉक में सर्वेक्षण

जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में सर्वेक्षण का कार्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 72 ब्लॉक में किया जाना है। इनमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र शामिल है। एक ब्लॉक या ग्राम में लगभग 32 परिवारों से रोजगार, व्यवसाय एवं आय से संबंधित सवालों के जवाब पूछकर उसकी ऑनलाइन एंट्री की जाएगी।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र को सर्वे कार्य हेतु 20 युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन हो, इच्छुक व्यक्ति संपूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत संपर्क करें।

योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक
वेतन 10,000 +
Resume Whatsapp करें
9827555678, 8370049468
ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं।
cir.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

PM-JAY (आयुष्मान भारत योजना) के तहत त्वरित, सरल और कैशलेस सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
अब आयुष्मान योजना द्वारा
डायलिसिस सेवा उपलब्ध
Dr Abhishek Tiwari
DrNB (Nephrology)
पूर्णकालिक सेवा उपलब्ध
अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें
अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा देखभाल
किडनी रोग विशेषज्ञ टीम
नियमित जांच और मॉनिटरिंग
24x7 आपातकालीन सुविधा
होली क्रास स्कूल के सामने, अवंति बाई चौक, पंडरी, रायपुर
फोन: 93430 79151, 91313 99570

चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रियुगीनारायण
अन्य दर्शन:-काशी विश्वनाथ, पंच प्रयाग दर्शन- (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), माना गाँव (भारत का अंतिम गाँव),धारी देवी,चोपता
15 सितम्बर, 26 सितम्बर,10 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, 2026, 02 मई 2027
राशि:-स्लीपर-18,500/-, 3 एसी- 26,500/-, 2 एसी- 30,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

फ्रेंडशिप डे पर लॉक ब्रेसलेट का क्रेज....

लाइव इवेंट

आया सावन छाया सावन, हम सब में हर्षाया सावन...काव्य पंक्ति सुन गदगद हुए श्रोता

रायपुर। छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य मंडल द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में किया गया। कवियों ने काव्य गोष्ठी में वर्षा ऋतु की मनोहारी छटा, प्रकृति सौंदर्य और मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत सरस प्रस्तुति से काव्य प्रेमियों को भावविभोर किया। काव्य गोष्ठी का आगाज कवयित्री सुषमा पटेल ने अपनी काव्य पंक्ति, सवेरे से रिमझिम, मेघ पुष्प झर रहे, आंगन में खेल रही, मोतियों की लड़ी...से किया। वहीं कवि कुमार जगदलवी 'सुनील' ने अपनी काव्य पंक्ति में सावन के उल्लास को स्वर दिया...आया सावन छाया सावन, हम सब में हर्षाया सावन, देखो कहीं गहराया है और कहीं गदराया सावन..., कवयित्री लतिका भावे 'लता' ने प्रकृति के सुरम्य सौंदर्य का चित्रण करते हुए पंक्ति, बरखा आई, खुशियाली छाई, मेघों ने भी उमड़-घुमड़ कर धूम मचाई...,कवि संजीव ठाकुर ने पहली बारिश की बूंदों को शहनाई एवं बारात की उपमा देते हुए अपनी पंक्ति पहली पहली बरसात की बूंदें धरती पर आईं, मन हर्षाया..., कवयित्री डॉ. कमल वर्मा ने प्रकृति के मनोहारी सौंदर्य का बखान करते हुए अपनी पंक्ति तड़ाग तुडुंब भर गए, सजती कमल बहार, नीला नभ है झांकता, धरती का श्रृंगार... सुनाकर श्रोताओं को हर्षित व आनंदित किया।

इन कवियों ने काव्य प्रस्तुतियों से मोहा मन

इस अवसर पर डॉ. जेके डागर, डॉ. महेंद्र ठाकुर, भूपेंद्र शर्मा, लक्ष्मण दास वैष्णव, डॉ. सिद्धार्थ कुमार श्रीवास्तव, एनपी विश्वकर्मा तृण, चंद्रा वैष्णव, मोहन श्रीवास्तव, सीमा जैन, शोभा मोहन श्रीवास्तव, शिवशंकर गुप्ता, मन्नू लाल यदु, होरीलाल चंद्राकर, छबिलाल सोनी, गोपाल सोलंकी, यशवंत चतुर्वेदी, यशवंत यदु यश, रीना अधिकारी, रामगोपाल शुक्ला, देवाशीष अधिकारी आदि ने भी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

काव्य गोष्ठी का आयोजन आचार्य अमरनाथ त्यागी की अध्यक्षता में हुई। वहीं सुनील पांडे ने संचालन एवं गोपाल सोलंकी ने आयोजन का संयोजन किया। डॉ. उदयभान सिंह चौहान ने कवियों व कवयित्रियों सहित काव्य प्रेमियों का काव्य की सरिता बहाने व भागीदारी के लिए आभार प्रदर्शन किया।

शहर के फैशन हाउस, फैंसी स्टोर्स और पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारी करने उमड़ी महिलाओं की भीड़

सोलह श्रृंगार-पूजा सामग्री से सज गया सावन बाजार, हरी साड़ी और चूड़ियों की बढ़ी डिमांड

सावन का महीना शुरू होते ही सुहागिन महिलाओं के साज-श्रृंगार सामग्री से बाजार गुलजार हो गया है। सावन में व्रत पूजन और हरियाली सेलिब्रेशन के लिए महिलाएं सोलह श्रृंगार और पूजा सामग्री की खरीदारी करने बाजार पहुंचने लगी हैं। शहर के गोलबाजार, पुरानी बस्ती टूरीहटरी, पंडरी कपड़ा मार्केट, मॉल व फैशन हाउस, फैंसी स्टोर्स, ब्यूटी प्रोडक्ट सेंटरों में साज-सज्जा के लिए खासकर हरे रंग की चूड़ियों, पारंपरिक साड़ियों, मेहंदी ओर खास डिजाइनर आभूषणों की मांग तेज हो गई है।

रायपुर। महिलाओं के लिए यह महीना न सिर्फ धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि फैशन और परंपरा का संगम भी है। सावन में हरे रंग की चूड़ियों का विशेष महत्व होता है। पुरानी बस्ती स्थित चूड़ी-श्रृंगार स्टोर्स की संचालिका नेहा मजूमदार ने बताया कि सावन में सुहागिनों में हरी चूड़ियां पहनने की खास परंपरा है, सुहागन महिलाओं के लिए इसका विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। यही वजह है कि सावन के महीने के मद्देनजर बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं हरी चूड़ियां खरीदने हमारे यहां पहुंच रही हैं। 30 जुलाई से पवित्र सावन माह की शुरुआत हो रही है। सावन में अब पूरे महीने हरेली, नागपंचमी और रक्षाबंधन के त्योहारों की पारंपरिक धूम रहेगी। ऐसे में महिलाओं ने सावन की विधि-विधान से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

श्रृंगार प्रसाधनों की बिक्री में 40 से 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

इसके अलावा महिलाएं बिंदी, मेहंदी, सिंदूर सहित सोलह श्रृंगार सामग्री खरीद रही हैं। दुकानदारों के अनुसार सावन में श्रृंगार प्रसाधन की बिक्री में 40 से 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होती है। विशेष रूप से महिलाएं अपनी खरीदारी के लिए इस महीने का इंतजार करती हैं। घर में पहनने वाली चूड़ियों की वैरायटीज बाजार में उपलब्ध है। बाजार में 100-150 रुपए तक की चूड़ियों की बिक्री अधिक है।

फ्रेश लुक पाने स्पेशल थीम बेस्ड मेकअप भी

बारिश और उमस के मौसम में मेकअप को पिघलने से बचाने के लिए वॉटरप्रूफ और मैट उत्पादों का इस्तेमाल करें। प्राइमर मेकअप की शुरुआत एक अच्छे प्राइमर से करें, ताकि बेस लंबे समय तक टिका रहे। आई मेकअप के लिए पेंसिल की जगह वाटरप्रूफ जेल आईलाइनर या मस्कारा का उपयोग करें, ताकि आंखों का मेकअप बारिश में खराब न हो। लाइट पिंक शेड्स को लॉन्ग-लास्टिंग और ट्रांसफर-प्रूफ लिपस्टिक चुनें, जो सावन के फ्रेश लुक के साथ अच्छी लगे। मेकअप पूरा होने के बाद सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें, इससे मेकअप पसीने में भी खराब नहीं होगा।

ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी के झुमके, चूड़ियों की डिमांड

अपने पूरे लुक को पारंपरिक बनाने के लिए ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी में झुमके, चूड़ियां या हरे कांच की चूड़ियों के साथ हाथों में मेहंदी जरूर लगाएं। सावन सोमवार या पूजा के लिए ज्वेलरी, सावन में हरियाली का प्रतीक हरी चूड़ियां और सुहाग की निशानी लाल चूड़ियां पहनना बहुत शुभ होता है। सावन स्पेशल ज्वेलरी में कुंदन वर्क वाली हरी चूड़ियां, ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी के साथ सूती या हैंडलूम साड़ियों के साथ ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर चोकर और बड़े झुमके बहुत खूबसूरत लगते हैं।

कढ़ाई वाली और शिफॉन की हरी साड़ियां ट्रेंड में

हरे रंग की साड़ियों की बिक्री में पिछले कुछ सालों की तुलना में इस बार नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। महिलाएं अब पारंपरिक हरी साड़ियों के साथ-साथ कढ़ाई वाली और शिफॉन की साड़ियां पहनना पसंद कर रही हैं। पंडरी कपड़ा मार्केट के साड़ी कलेक्शन शॉप के दुकानदारों ने महिलाओं की पसंद को देखते हुए हरी साड़ियों का विशेष स्टॉक मंगा रखा है। सावन में हरी साड़ी महिलाओं की साज-सज्जा का अहम हिस्सा होती हैं। सावन में सोमवार का विशेष महत्व होता है। इस दिन पहनने के लिए हरे रंग की साड़ियां महिलाएं खरीद रही हैं। इसके चलते हरे रंग वाली साड़ियों का डिमांड सबसे अधिक हो रही है।

सिटी इवेंट

कॉलेज फेस्ट की थीम पर यादें की ताजा एंट्री गेम्स और अंताक्षरी में किया एंजॉय

रायपुर। जेसीआई का स्थापना दिवस अलग अंदाज में मनाया गया। संस्था ने इस वर्ष कॉलेज फेस्ट थीम रखकर सदस्यों को पुराने दिनों की यादों में पहुंचा दिया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही। पूरा हॉल कॉलेज कैंपस जैसा नजर आया। सदस्यों ने एंट्री गेम्स, पास्ट प्रेसिडेंट्स स्पेशल गेम्स और अंताक्षरी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलेज फेस्ट की थीम पर हुई अंताक्षरी आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें जेसी प्रखर-ट्विंकल पारख के रोचक संचालन ने सभी को कॉलेज जीवन की मधुर यादों से रूबरू करा दिया। संगठन के अध्यक्ष जेसी संतोष-रानू कुमार ने स्वागत करते हुए कहा कि स्थापना दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि आपसी रिश्तों को मजबूत करने और संगठनात्मक संस्कृति को सशक्त बनाने का अवसर भी है। मेंटोर पास्ट प्रेसिडेंट जेसी प्रणय-राखी महेश्वरी ने कहा कि ऐसे आयोजन मनोरंजन के साथ-साथ आत्मीयता, विश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। आईपीपी जेसी आलोक-रचना अग्रवाल की प्रेरणादायी उपस्थिति रही। वीपी इंचार्ज जेसी अंकित-विकिता मित्तल ने प्रभावशाली मंच संचालन के साथ पास्ट प्रेसिडेंट्स सम्मान समारोह को भी संचालित किया। आयोजन में डायरेक्टर इंचार्ज जेसी सुजय-रोशनी जसूजा और जेसी करण-स्वाति तिवारी की अहम भूमिका रही। प्रोग्राम डायरेक्टर्स जेसी गुरजीत-अमनदीप सिंह, जेसी अनुराग-अंजली अग्रवाल, जेसी नीरज-दीपिका तिवारी और जेसी अभिषेक-प्रिया यादव ने पंजीयन, गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का संचालन किया। समापन पर सचिव जेसी तोरण-स्वाति अटल ने सभी सदस्यों और आयोजन समिति का आभार जताते हुए कहा कि टीमवर्क से आयोजन में सभी में उत्साह दिखाई दिया।

सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए निशुल्क कोचिंग क्लासेस कल से

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग एवं छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2026 के तहत 2292 पदों पर भर्ती को ध्यान में रखते हुए नूतन निशुल्क कोचिंग, टिकरापारा में 27 जुलाई से नया बैच प्रारंभ किया जाएगा। यह जानकारी कोचिंग के कार्यक्रम प्रभारी गणेश मेहेर ने दी। उन्होंने बताया कि निशुल्क कोचिंग का आयोजन सामाजिक संस्थान विकास परिषद द्वारा नूतन स्कूल, आरडीए कॉलोनी, टिकरापारा में किया जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी शाम 6 से 8 बजे तक संस्था कार्यालय पहुंचकर प्रवेश ले सकते हैं। संस्थान के प्रबंधकीय बोर्ड के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभावान विद्यार्थियों को निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, ताकि वे शासकीय सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें।

प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक क्लास

कोचिंग की नियमित कक्षाएं सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होंगी। वहीं, प्रत्येक रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक विशेष मूल्यांकन एवं डाउट क्लीयरिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम प्रभारी ने बताया कि सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के नवीनतम सिलेबस के अनुसार अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्यापन कराया जाएगा। परीक्षा में लागू एक-चौथाई नेगेटिव मार्किंग को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों को विशेष रणनीतियां एवं शॉर्ट ट्रिक्स भी सिखाई जाएंगी। साथ ही समय-समय पर साप्ताहिक मॉक टेस्ट आयोजित किए जाएंगे, जिससे अभ्यर्थी अपनी तैयारी का आकलन कर सकें। संस्थान ने सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा की पात्रता रखने वाले सभी अभ्यर्थियों (12वीं उत्तीर्ण, डीएलएड/बीएड तथा सीजी टीईटी/सीटीईटी उत्तीर्ण) से समय पर पहुंचकर इस निशुल्क कोचिंग का लाभ उठाने की अपील की है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ आज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के वैज्ञानिक, अभियन्ता एवं आर्किटेक्ट प्रभाग द्वारा 26 जुलाई से 9 अगस्त तक रायपुर से जबलपुर तक पर्यावरण संरक्षण-आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ रविवार सुबह 10 बजे बलौदाबाजार मार्ग स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। इस अवसर का विषय प्रकृति का ख्याल रखें और आपदा के लिए तैयार रहें रहेगा। रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बताया कि अभियान का प्रमुख उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना है। उद्घाटन समारोह को माउंट आबू से आए वैज्ञानिक, अभियन्ता प्रभाग के अध्यक्ष इंजीनियर मोहन सिंघल, उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, जोन इंचार्ज ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, पानीपत से आए इंजीनियर भारत भूषण, दिल्ली से पधारे बीके पीयूष तथा रायपुर संचालिका बीके सविता दीदी भी संबोधित करेंगी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान मार्ग में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनियां, प्रवचन, समारोह और सेमीनार आयोजित किए जाएंगे। इनके माध्यम से धरती एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा उनके किफायतपूर्ण उपयोग के प्रति लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा।

छोटे बच्चों की मोबाइल स्क्रीन की लत छुड़ाने खिलौने में विकल्प ढूंढ रहे पैरेंट्स

स्क्रीन फ्री एजुकेशनल इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों से छोटे बच्चे सीख रहे खेल-खेल में पढ़ना-लिखना

कार्नर न्यूज

रायपुर। छोटे बच्चों की मोबाइल स्क्रीन की लत को छुड़ाने स्क्रीन-फ्री एजुकेशनल इलेक्ट्रॉनिक खिलौने एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरे हैं। ये खिलौने बच्चों को बिना किसी नुकसानदेह स्क्रीन के, मजेदार ध्वनियों, लाइट्स और इंटरैक्टिव तरीकों से व्यस्त रखते हैं। इससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास बेहतर होता है। लोकप्रिय स्क्रीन-फ्री इलेक्ट्रॉनिक खिलौने शहर के बाजार में कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं, जो बच्चों का ध्यान मोबाइल से पूरी तरह हटाने में मददगार साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि पैरेंट्स अपने बच्चों के लिए लर्निंग गैजेट्स टॉय में टॉकिंग एजुकेशनल फोन ये हूबहू स्मार्टफोन जैसे दिखते हैं, लेकिन इनमें कोई नुकसानदेह स्क्रीन नहीं होती। इनमें बटन दबाने पर कविताएं, कहानियां, जानवरों की आवाजें और एबीसीडी सुनाई देती है। यह टॉकिंग एजुकेशनल फोन बच्चों को बहुत पसंद आ रहे हैं। वहीं टॉकिंग फ्लैश कार्ड्स एक छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में जैसे ही बच्चे फल, सब्जी या जानवरों के कार्ड डालते हैं, यह उनका नाम और आवाज बोलकर बताते हैं। यह बच्चों की वोकैबुलरी यानी शब्दावली बढ़ाने के लिए बेस्ट ऑप्शन बन रहे हैं। स्कूलों व बालवाड़ियों, आंगबाड़ियों में भी बच्चों को खेल-खेल में पढ़ना व शब्द ज्ञान, कलर व अक्षर पहचान के लिए इन इलेक्ट्रॉनिक्स टॉय को शामिल किया जा रहा है।

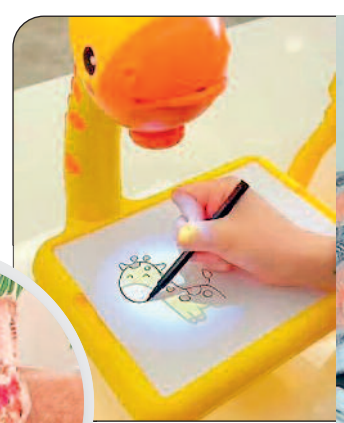

सुनने की क्षमता और कल्पनाशीलता बढ़ाने में मददगार

एलसीडी राइटिंग टैबलेट-यह एक डिजिटल स्लेट की तरह काम करता है जिस पर बच्चे स्टाइलिश पेन से ड्राइंग या पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें एक बटन दबाते ही सब साफ हो जाता है और इसकी स्क्रीन आंखों को नुकसान नहीं पहुंचाती। ऑडियो स्टोरीटेलर स्पीकर्स इसमें 500 से अधिक कहानियां और लोरी पहले से लोड होती हैं। इससे बच्चों की सुनने की क्षमता और कल्पनाशीलता बढ़ती है। एलईडी मोंटेसरी बिजी बोर्ड लकड़ी के इन बोर्ड्स में असली जैसे प्लग, बटन और रंग-बिरंगी एलईडी लाइट्स होती हैं, जो बच्चों के हाथों की मांसपेशियों को मजबूत करती हैं।

टॉय रोटेशन में उपलब्ध करना ज्यादा फायदेमंद

बच्चों को माता-पिता द्वारा केवल खिलौने लाकर देना काफी नहीं है। बच्चों को व्यस्त रखने के लिए उन्हें टॉय रोटेशन में उपलब्ध करना ज्यादा फायदेमंद होगा। पैरेंट्स हर हफ्ते कुछ खिलौने छिपाकर नए खिलौने सामने रखे जाते हैं। इसके साथ ही खुद भी बच्चों के सामने मोबाइल का इस्तेमाल कम करें।

धर्म लाइव

देवशयनी एकादशी पर 14 भजन मंडलियों की भक्तिमय प्रस्तुति

रायपुर। श्री हनुमान मंदिर तात्यापारा में आषाढ़ी एकादशी देवशयनी एकादशी पर भजन सेवा का आयोजन किया गया। शनिवार को मंदिर प्रांगण में 14 भजन मंडलियों ने भक्तिभाव से ओतप्रोत भजन सेवा में भाग लिया। भजन मंडली द्वारा भक्ति भजन की दिव्य प्रस्तुति से मंदिर का पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु भजन श्रवण का पुण्य प्राप्त करने बड़ी संख्या में शामिल हुए। मंदिर के पुजारी संदीप देशपांडे ने बताया कि शहर के विभिन्न महिला भजन मंडली द्वारा भजन सेवा की प्रस्तुति दिया गया। यह परम्परा विगत 100 वर्षों से मंदिर प्रांगण में आयोजित होती आ रही है। कुछ वर्षों पूर्व 24 घंटे का इक्का होता था, जिसमें गोविंदा गोविंदा का पाठ होता था। अब भजन मंडलियों द्वारा भक्ति गीत-भजन का गायन कर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना की गई। भजन मंडली द्वारा भजन सेवा की प्रस्तुति मंदिर में रात 11 बजे तक दी गई, जिसमें भक्त भक्ति भजन में सराबोर होते रहे।

सिटी लाइव

आजाद के आदर्शों पर चलकर राष्ट्रहित में आगे आएं युवा

रायपुर। राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अमर क्रांतिकारी पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच, मानव आश्रम सेक्टर-1 द्वारा राष्ट्रीयता की भावनाओं के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान युवा अवस्था में ही देश की रक्षा और स्वतंत्रता के लिए जीवन समर्पित करने वाले पंडित चंद्रशेखर आजाद तिवारी की दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रभावशाली व्यक्तित्व को स्मरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. पी. सी. चौबे, सेवानिवृत्त अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग एवं प्राचार्य, शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर थे। अध्यक्षता पं. यू. के. दीक्षित, अध्यक्ष, कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच ने की। मंच पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. संतोष दीक्षित, महासचिव पं. रविन्द्र मिश्रा और पूर्व महासचिव विनोदनी पाण्डेय उपस्थित थे। इस अवसर पर समाज द्वारा शैक्षणिक और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर और विशिष्ट शिक्षा क्षेत्र में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले युवा-युवतियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में दीक्षा मिश्रा 97.6 प्रतिशत, श्रेयशी त्रिपाठी 96 प्रतिशत, अमन अवस्थी 94.4 प्रतिशत, हिमांशी बाजपेई बी.टेक 88.5 प्रतिशत, अनीश देव शुक्ला 81 प्रतिशत और राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में सफल भागीदारी करने वाले ईशान दीक्षित शामिल थे।

समाज इवेंट

मणिकर्णिका एक्सपो-3 का शुभारंभ देशभर के शहरों से लगे स्टॉल

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल, रायपुर द्वारा अग्रसेन धाम, छोकरा नाला में दो दिवसीय मणिकर्णिका एक्सपो-3 का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित एक्सपो का शुभारंभ शनिवार सुबह 11 बजे हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मीनू अग्रवाल, अग्रवाल सभा के महामंत्री मनमोहन अग्रवाल, अग्रवाल सभा की टीम, युवा मंडल के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल एवं उनकी टीम, युवती मंडल की अध्यक्ष कंचन अग्रवाल एवं उनकी टीम तथा महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं।आयोजकों के अनुसार, एक्सपो में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, रायगढ़, राजनांदगांव, भिलाई, तिल्दा और बिलासपुर सहित विभिन्न शहरों से आए प्रदर्शकों ने स्टॉल लगाए हैं। एक्सपो में परिधान, भगवान की पोशाक, राखियां, ज्वेलरी, क्रॉकरी, विशेष बर्तन तथा विभिन्न फूड आइटम्स के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दो दिवसीय इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

● सजा गिफ्ट बाजार, महानगरों से पहुंचीं नई वैरायटियां, कैफे-रेस्तरां में एडवांस बुकिंग भी शुरू

फ्रेंडशिप डे पर लॉक ब्रेसलेट का क्रेज दोस्त की मर्जी के बिना नहीं खुलेगा बैंड

दोस्ती के रिश्ते को खास बनाने का दिन फ्रेंडशिप डे इस वर्ष 3 अगस्त को मनाया जाएगा। इसे लेकर शहर के युवाओं में अभी से उत्साह नजर आने लगा है। फ्रेंडशिप डे से करीब 9 दिन पहले ही शहर का गिफ्ट बाजार सज गया है। आकर्षक फ्रेंडशिप बैंड, रिंग, ब्रेसलेट, स्पेशल कार्ड और पर्सनलाइज्ड गिफ्ट खरीदने के लिए युवा बड़ी संख्या में दुकानों का रुख कर रहे हैं। इस बार दिल्ली और मुंबई से आई नई वैरायटियां बाजार में आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस बार डिजिटल फ्रेंडशिप कार्ड की मांग सबसे अधिक है।

युवकों में लॉक्ड ब्रेसलेट का क्रेज युवतियों को घड़ी वाले ब्रेसलेट भा रहे

फ्रेंडशिप डे पर इस बार लॉक ब्रेसलेट सबसे ज्यादा चर्चा में है। दुकान संचालकों के मुताबिक इसे दोस्त की कलाई में लॉक कर उसकी चाबी अपने गले में पहननी होती है। जिसके हाथ में ब्रेसलेट होगा, वह दूसरे दोस्त की मर्जी के बिना इसे नहीं खोल सकेगा। युवतियों के बीच घड़ी वाले ब्रेसलेट की भी अच्छी मांग है, जबकि रबर और लेदर से बने ब्रेसलेट भी पसंद किए जा रहे हैं। इसके अलावा मोतियों से बने बेसलेट, फ्रेंड्स लिखे बेल्ट और वुडन बेल्ट भी युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं।

फोटो फ्रेम और ग्रुप फोटो वाले केक भी ट्रेंड में

कटोरा तालाब स्थित दुकान संचालक ने बताया कि युवा अपने दोस्तों की फोटो वाले स्पेशल फ्रेम बनवा रहे हैं। अब तक आठ से अधिक ऑर्डर मिल चुके हैं। स्पेशल कार्ड के साथ तैयार होने वाले इन फोटो फ्रेम की कीमत 600 रुपये है, जबकि लाइटिंग फ्रेम के लिए 200 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। फ्रेम की कीमत उसके आकार के अनुसार तय की जाती है। इसके अलावा दोस्त अपने ग्रुप फोटो वाले केक भी तैयार करा रहे हैं, जिनके लिए पहले से ऑर्डर दिए जा चुके हैं।

दैनिक उपयोग के गिफ्ट की भी बढ़ी मांग

युवा इस बार केवल फ्रेंडशिप बैंड ही नहीं, बल्कि दैनिक उपयोग की वस्तुओं को भी गिफ्ट के रूप में पसंद कर रहे हैं। बाजार में फोटो फ्रेम विद चॉकलेट, कोटेशन फ्रेम, टेडी बियर, फोटो प्रिंटेड टी-शर्ट, घड़ी, पेन स्टैंड, बेल्ट, पर्स, बैग, परफ्यूम और प्रिंटेड कप जैसे गिफ्ट की मांग बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि उपयोगी और यादगार गिफ्ट को युवा इस बार अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं।

रायपुर। इन कार्ड्स में फोटो के साथ दोस्ती का विशेष संदेश भी दिया गया है। इसके अलावा फोटो वाले ब्रेसलेट, ब्रोकन हार्ट ब्रेसलेट और लॉक ब्रेसलेट युवाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। फ्रेंडशिप डे को यादगार बनाने के लिए युवा कैफे और रेस्तरां में भी पहले से बुकिंग करा रहे हैं। शंकर नगर और मरीन ड्राइव स्थित कई कैफे में दिन के अलग-अलग समय के स्लॉट पहले ही बुक हो चुके हैं।

ब्रोकन हार्ट लॉकेट भी खूब पसंद किए जा रहे

दोस्ती को यादगार बनाने के लिए इस बार ब्रोकन हार्ट डिजाइन वाले लॉकेट और रिंग की मांग भी बढ़ी है। इनकी खासियत यह है कि दिल का आधा-आधा हिस्सा दोनों दोस्तों के पास रहता है और साथ आने पर पूरा दिल बन जाता है। इनकी कीमत 500 रुपये तक है। वहीं रंग-बिरंगी फ्रेंडशिप रिंग, मोतियों के बेल्ट और ब्रेसलेट की कई नई वैरायटियां बाजार में उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 40 रुपये से 300 रुपये तक है। इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि फ्रेंडशिप डे के बाद भी अन्य अवसरों पर पहना जा सके।

सिख समाज लेडिज विंग ने मनाई 'सावन की सरगम' शाम, पूजा बनीं सावन क्वीन

सिख समाज छत्तीसगढ़ की लेडिज विंग द्वारा 'सावन की सरगम' कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न खेल, सामूहिक नृत्य, तंबोला तथा सावन क्वीन रैंप वॉक मुख्य आकर्षण रहे। रैंप वॉक के बाद लकी ड्रॉ के माध्यम से विजेताओं का चयन किया गया। इसमें पूजा गांधी सावन क्वीन बनीं, जबकि स्वाति छाबड़ा एवं गुरमीत कौर चावला उपविजेता रहीं।

रायपुर। सांत्वना पुरस्कार निशी खंडूजा, श्रद्धा अजमानी और करिश्मा खनूजा को मिला। लेडिज विंग द्वारा प्रतिवर्ष सावन के अवसर पर महिलाओं के लिए यह आयोजन किया जाता है। हरियाली के इस पर्व पर महिलाओं ने हरे रंग के परिधानों और सोलह श्रृंगार के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में सुरेंद्र कौर छाबड़ा, सुरेंद्र कौर चावला, राखी खंडूजा, डिम्पी अजमानी, चरणदीप कौर, खुशबू चहल, रूपिंदर कौर, सोमा छाबड़ा, ऋचा मैकड़, रिंकी टुटेजा, हरप्रीत कौर, राखी अरोरा, तेजिंदर कौर, सिख समाज लेडिज विंग की अध्यक्ष डाली कौर गुम्बर तथा संयोजक डॉ. रीना टुटेजा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

नेत्रदान महादान अभियान की शुरुआत

सवा लाख रुपए से 12 लोगों की आंखों का होगा ऑपरेशन

रायपुर। माहेश्वरी महिला संगठन ने नेत्रदान महादान अभियान की शुरुआत करते हुए अपने नवम सत्र की बची हुई 1.25 लाख रुपए की राशि उदयाचल राजनांदगांव को दान की। पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी के नेतृत्व में यह राशि नेत्र सेवा के लिए प्रदान की गई, ताकि जरूरतमंद लोगों के जीवन से अंधकार दूर किया जा सके। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी ने बताया कि इस राशि से एक वर्ष में 12 लोगों की आंखों का ऑपरेशन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश संगठन ने एक नेक पहल की है और इस नेत्र सेवा अभियान से समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी के जीवन से अंधकार दूर करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

मानव सेवा करना संगठन का उद्देश्य

माहेश्वरी समाज हमेशा सेवा, त्याग और सदाचार के मार्ग पर चलता आया है। इस अभियान के माध्यम से पूरे प्रदेश के माहेश्वरी समाज को जोड़कर अधिक से अधिक मानव सेवा करना संगठन का उद्देश्य है। कविता राठी ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश की पूर्व अध्यक्ष सरस्वती लोहिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी, प्रदेश अध्यक्ष रूपा मूंदड़ा, सचिव नंदा भट्टड़, कोषाध्यक्ष उर्मिला टावरी, समिति संयोजिका प्रीति चितलांगिया तथा स्थानीय सचिव पिंकी माहेश्वरी उपस्थित रहीं।

जैन दादाबाड़ी में प्रथम दादा गुरुदेव आचार्य जिनदत्त सूरीजी का स्वर्गारोहण महोत्सव मनाया

दादा गुरुदेव के आदर्शों को अपनाने का दिया संदेश, श्रद्धालुओं ने किया गुणानुवाद

कार्नर न्यूज

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत शनिवार को एमजी रोड स्थित जैन दादाबाड़ी में प्रथम दादा गुरुदेव आचार्य जिनदत्त सूरीजी का स्वर्गारोहण महोत्सव श्रद्धा एवं धार्मिक वातावरण में मनाया गया। श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट एवं अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

रायपुर। पूज्य प्रवचन प्रभाविका साध्वी मंजुला श्रीजी महाराज साहिबा आदि ठाणा की पावन निश्रा में सुबह गुणानुवाद सभा आयोजित हुई, जिसमें दादा गुरुदेव के जीवन, धर्म साधना एवं आध्यात्मिक संदेशों का स्मरण किया गया। इसके बाद दादाबाड़ी परिसर में दादा गुरुदेव की विधि-विधान से पूजा एवं आराधना संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने गुरुप्रसादी का भी लाभ लिया। साध्वी मंजुला श्रीजी ने कहा कि प्रथम दादा गुरुदेव जिनदत्त सूरीजी श्रमण संस्कृति के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने समाज को धार्मिक एवं वैचारिक दिशा देने के साथ व्यक्ति को केवल स्वयं तक सीमित न रहकर समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जन्म एवं स्वर्गारोहण दिवस उन्हीं महापुरुषों के स्मरण में विशेष बनते हैं, जिन्होंने समाज को नई दिशा दी हो।

संस्कार से तैयार होती है बच्चों के व्यक्तित्व की नींव

साध्वी ने अभिभावकों से बच्चों के करियर के साथ उनके चरित्र निर्माण और धार्मिक संस्कारों पर भी समान रूप से ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बचपन से अच्छे संस्कार मिलने पर बच्चों के व्यक्तित्व की मजबूत नींव तैयार होती है। इस अवसर पर 26 जुलाई को दादाबाड़ी परिसर में होने वाले संभव संस्कार सुरभि ज्ञान वल्लभ पाठशाला के बच्चों के स्नात्र महा महोत्सव एवं वार्षिक उत्सव की जानकारी भी दी गई। सुबह 8 बजे स्नात्र पूजन तथा सुबह 11 बजे पुरस्कार वितरण एवं साधर्मिक वात्सल्य का आयोजन होगा। कार्यक्रम में श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अभय भंसाली, चातुर्मास समिति अध्यक्ष बसंत लोढ़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

शनि विद्या अनुष्ठान में भगवान श्री मुनिसुव्रत स्वामी का महापूजन

नव प्रतिष्ठित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय में शनिवार को शनि विद्या अनुष्ठान श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। प्रातःकाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री मुनिसुव्रत स्वामी का महाअभिषेक, महापूजन एवं पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। निर्वाणा मंडल की महिलाओं ने भगवान का महाअभिषेक किया। पूरे जिनालय में नवकार मंत्र, आरती और भक्तिमय स्तुतियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। धार्मिक विद्वानों ने बताया कि अमावस्या आत्मचिंतन और शनिवार संयम, धैर्य तथा कर्मनिर्जरा का संदेश देता है। ऐसे पावन संयोग में भगवान श्री मुनिसुव्रत स्वामी की आराधना का विशेष महत्व है। श्रद्धालुओं ने आरती, मंगल दीपक एवं पूजन कर सुख, शांति, सद्भाव और धर्ममय जीवन की कामना की। महापूजन का विधान पूजा कारक मोहिनी बैद ने संपन्न कराया। आरती के लाभार्थी सतीश पारख एवं निर्मल पारख, मंगल दीपक के लाभार्थी निर्वाणा ग्रुप तथा श्री मुनिसुव्रत स्वामी दंडक के लाभार्थी प्रवीण सिंघवी एवं प्रकाश सिंघवी रहे। समाजजनों ने लाभार्थी परिवार के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

हेल्थ टिप्स

कुछ भी खाने के बाद आती है नींद और घेर लेता है आलस तो करें ये उपाय

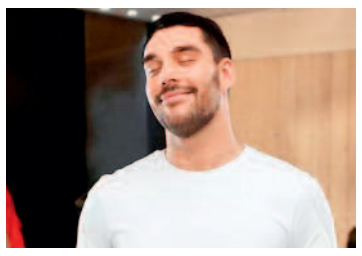

बहुत से लोगों की हॉबी होती है देर तक सोना। शायद ही किसी का यह जवाब हो कि मुझे सोना अच्छा नहीं लगता। हां, यह हो सकता है किसी को सुबह देर तक सोना पसंद हो, किसी को दोपहर में तो किसी को रात में जल्दी..! 8 घंटे से ज्यादा सोने / नींद लेने के कई फायदे होते हैं। लेकिन ये सिर्फ रात में डीप स्लीप लेने पर ही होते हैं। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए गहरी नींद जरूरी है। यदि किसी को नींद आने में परेशानी होती है तो कुछ एक्सरसाइज से यह परेशानी दूर की जा सकती है।

अनिद्रा/इंसोम्निया की समस्या को योगासन एवं घरेलू उपायों से दूर किया जा सकता है। ऑफिस जॉब करने वाले अधिकतर लोगों को दोपहर का भोजन करने के बाद आलस आने लगता है। खाने के बाद नींद आना डाइजेशन प्रोसेस के दौरान केमिकल रासायनिक चेंज के लिए शरीर की प्रक्रिया है। यह सामान्य प्रक्रिया है और हर किसी के साथ ऐसा होता है। लेकिन यदि आपको हर बार खाने के बाद नींद आती है तो चिंता का विषय हो सकता है। जिसे नींद आती है, उसका काम में मन नहीं लगेगा और डेली रूटीन भी प्रभावित हो सकता है। खाने के बाद आलस आने का कारण और उसे दूर करने के उपाय आपको जानना चाहिए। इन्हें फॉलो करके आप भी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

पाचन चक्र

बॉडी को काम करने के लिए एनर्जी की

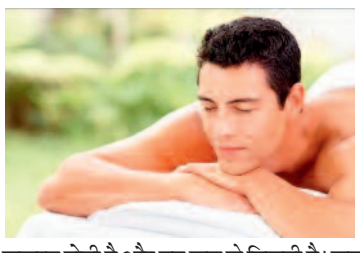

जरूरत होती है और यह फूड से मिलती है। जब आप कुछ खाते हैं तो यह डाइजेस्टिव सिस्टम में पहुंचते ही ग्लूकोज यानी एनर्जी में ब्रेक हो जाता है। साथ ही मैक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे प्रोटीन शरीर को कैलोरी यानी एनर्जी देता है। ऐसे में फूड को एनर्जी में कन्वर्ट करने के लिए डाइजेस्टिव सिस्टम विभिन्न रिस्पांसेज को ट्रिगर करता है। इस प्रोसेस में पेट भरा हुआ महसूस कराने वाले हार्मोन जैसे, कोलेलिस्टोकिनिन , ग्लूकाजन और एमाइलिन रिलीज होते हैं। ये हार्मोन माइंड में झपकी के सिग्नल पैदा करते हैं और आलस या नींद का कारण बनते हैं।

आपकी डाइट

फूड डाइजेस्ट होने का तरीका एक ही होता है लेकिन कुछ फूड बॉडी को समान रूप से इफेक्ट नहीं करते। पालक,सोया ,अंडे ,पनीर ,टोफू और मछली फूड नॉर्मल से अधिक नींद दिलाते हैं। सेरोटोनिन बनाने के लिए बॉडी ट्रिप्टोफैन का यूज करती है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो नींद को रेग्युलेट करने में हेल्प करता है। इसका लेवल बढ़ने पर निश्चित ही आपको नींद आएगी। यानी जिन फूड में ट्रिप्टोफैन अधिक होगा वो सेरोटोनिन बढ़ाएंगे, जिससे नींद अधिक आएगी। ट्रिप्टोफैन अमीनो एसिड हाई प्रोटीन वाले फूड्स में पाया जाता है। इसलिए दिन में अधिक प्रोटीन या ट्रिप्टोफैन में हाई फूड्स नींद आने का कारण बन सकते हैं। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के अनुसार, एक वयस्क के लिए प्रतिदिन ट्रिप्टोफैन की मात्रा 5 मिलीग्राम/1 किलोग्राम बॉडी वेट रखी गई है।

अधूरी नींद

जाहिर तौर पर हर किसी को 7-8 घंटे की

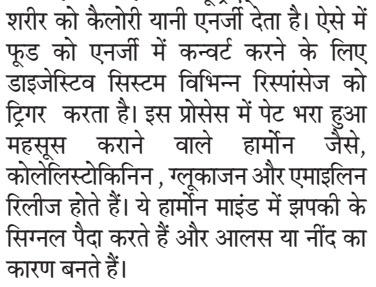

गहरी नींद की जरूरत होती है। यदि रात में नींद पूरी नहीं होती तो सुबह नाश्ता करने या लंच करने के बाद आपको नींद जरूर आएगी। मायो क्लीनिक की रिपोर्ट के मुताबिक नियमित नींद करने, स्ट्रेस दूर करने के लिए एक्सरसाइज जरूरी मानी गई है। यदि आप रात में लेट सोते हैं और सुबह जल्दी उठते हैं तो यह भी दिन में नींद आने का कारण बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि रात में 7-8 घंटे की गहरी नींद लें।

फिजिकल एक्टिविटी

रात में बेहतर नींद लेने में मदद करने के साथ ही एक्सरसाइज दिन में एनर्जेटिक और अलर्ट रखने में भी मदद करती है। कई स्टडीज में पाया गया है कि रेग्युलर एक्सरसाइज से एनर्जी बढ़ाने और थकान को कम करने में मदद मिलती है। आप यदि कोई भी फिजिकल एक्टिविटी नहीं करते तो जाहिर है आपको दिन में आलस आएगा।

चिकित्सक ने बताए डायबिटीज रोगियों के लिए बरते जाने वाली सावधानी

डायबिटीज में हीलिंग सिस्टम होता है प्रभावित घाव भरने में देरी जैसे लक्षण को लें गंभीरता से

डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों के ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है। पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है?

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है, जिसका खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग सभी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज की समस्या रही है, उन्हें विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। डायबिटीज यानी ब्लड शुगर बढ़े रहने की स्थिति शरीर के अंगों को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। इससे समय के साथ हृदय रोग, किडनी की बीमारी, आंखों और तंत्रिकाओं की समस्या हो सकती है। चूंकि डायबिटीज हमारे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है, इसलिए इसके लक्षण भी उसी आधार पर अलग-अलग होते हैं। इस बीमारी में घावों को ठीक होने में बहुत अधिक समय लगना सबसे आम लक्षण देखा जाता रहा है। पर क्या आपने सोचा कि ऐसा होता क्यों है? आइए इस बारे में जानते हैं।

डायबिटीज में घाव भरने में लगता है ज्यादा समय

जब शरीर में किसी भी तरह का

कट, खरोंच या घाव होता है, तो हमारा शरीर तेजी से उस घाव को भरने और घाव को संक्रमण से बचाने में लग जाता है। लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ये काम काफी कठिन रहता है। इतना ही नहीं कई बार मामूली सा घाव भी ठीक होने में महीनों तक का समय लग सकता है और कुछ स्थितियों में ये गंभीर संक्रमण का रूप भी ले लेता है। यहां यह समझना जरूरी है कि डायबिटीज में घाव भरने में इतना समय क्यों लगता है? इसके पीछे क्या कारण हैं? डॉक्टर ने इसे आसान भाषा में समझाया है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

एम्स के वरिष्ठ डायबेटोलॉजिस्ट डॉ अल्तमश शेख बताते हैं, डायबिटीज रोगियों में घाव को ठीक होने में अधिक समय लगना बहुत आम है। इसके लिए कई कारणों को जिम्मेदार माना जाता रहा है। पहला कारण डायबिटीज की स्थिति में खून में ग्लूकोज की मात्रा काफी बढ़ जाती है। हाई ब्लड

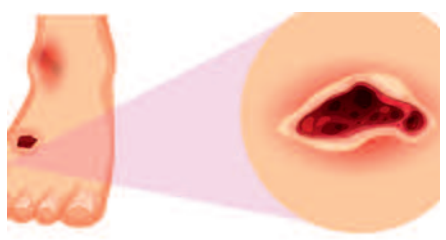

शुगर, घाव भरने की प्राकृतिक प्रक्रिया को कई तरह से प्रभावित कर सकती है। यह सफेद रक्त कोशिकाओं की कार्यक्षमता को कमजोर कर देती है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है और संक्रमण के कारण घाव जल्दी नहीं ठीक हो पाते।

डायबिटीज के कारण शरीर पर होने वाला असर

डॉ शेख बताते हैं, घावों को ठीक होने में अधिक समय लगने और संक्रमण बढ़ने का एक कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने को माना जाता है। कमजोर इम्यूनिटी के कारण घावों पर बैक्टीरिया और फंगस को पनपने का मौका मिल जाता है, जिसके कारण कट पर संक्रमण होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा डायबिटीज की स्थिति शरीर की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान

पहुंचाने लगती है। इससे उस हिस्से तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है जहां घाव है। इससे घाव की जगह नई कोशिकाओं का निर्माण धीमा हो जाता है, जिसके कारण घावों को ठीक होने में सामान्य से अधिक समय लग सकता है। चूंकि घाव ठीक होने में अधिक समय लग रहा होता है, इसलिए वहां पर संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

डायबिटीज के कारण सफेद रक्त कोशिकाओं की घट जाती है क्षमता

डायबिटीज और इसके कारण होने वाली समस्याओं के बारे में जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन (2019) के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों में सफेद रक्त कोशिकाओं की प्रभाविकता 40-50% तक घट जाती है, संक्रमण बढ़ने का ये प्रमुख कारण माना जाता रहा है। डायबिटीज के मरीजों में डायबिटिक फुट नामक समस्या का खतरा अधिक रहता है। ये स्थिति में पैरों में अल्सर बनने लगता है जिसकी गंभीर स्थिति में लगभग 15% मामलों में पैर काटने तक की नौबत आ सकती है।

बार-बार सर्दी-जुकाम से परेशान हैं तो जानें इससे बचाव के उपाय

अक्सर कुछ लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम होता है। ऐसे में बहुत लोगों को सवाल होता है कि आखिर इसके पीछे की मुख्य वजह क्या है? इसी के बारे में जानते हैं। साथ ही ये भी जानेंगे कि जुकाम के शुरुआती लक्षण दिखने पर क्या करना चाहिए। बदलते मौसम में या बिना किसी स्पष्ट कारण के बार-बार सर्दी-जुकाम होना एक आम लेकिन बेहद परेशान करने वाली समस्या है। यह न केवल दिनभर की गतिविधियों को प्रभावित करता है, बल्कि शरीर को थका हुआ और कमजोर भी महसूस कराता है।

बहुत से लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ मौसम बदलने या ठंडी हवा लगने के कारण होता है, लेकिन अक्सर इसके पीछे कुछ और गहरे कारण छिपे होते हैं, जो हमारी आदतों और प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़े होते हैं। अगर आप भी बार-बार सर्दी-जुकाम की चपेट में आते रहते हैं, तो यह आपको जरूर जानना चाहिए।

बार-बार सर्दी-जुकाम होने के मुख्य कारण

बार-बार सर्दी-जुकाम होने का सबसे बड़ा कारण हमारी

कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली है। जब शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है, तो वह आसानी से वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ जाता है।

आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होने के कई मुख्य कारण हो सकते हैं, जो आपको बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं। इनमें सबसे पहले पोषण की कमी आती है, जहां विटामिन सी, विटामिन डी और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी से शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण नींद की कमी है; जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते, तो शरीर को खुद को ठीक करने और प्रतिरक्षा कोशिकाओं को बनाने का समय नहीं मिलता, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। तीसरा कारण पुराना तनाव है, क्योंकि लंबे समय तक तनाव में रहने से कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देता है। इन सब के अलावा वायरस का बार-बार संपर्क भी एक बड़ी वजह है, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर रहना या साफ-सफाई का ठीक से ध्यान न रखना, जिससे आप बार-बार वायरस की चपेट में आते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

हाथों की स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई

सर्दी-जुकाम फैलाने वाले वायरस मुख्य रूप से हाथों के माध्यम से फैलते हैं। जब हम किसी संक्रमित सतह को छूते हैं और फिर अपने चेहरे (आंखें, नाक, मुंह) को छूते हैं, तो वायरस हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए, हाथों की स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण बचाव का उपाय है। नियमित रूप से और अच्छी तरह से अपने हाथों को साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक धोएं, खासकर खांसने, छींकने, सार्वजनिक सतहों को छूने के बाद हाथ को अच्छे से साफ करें।

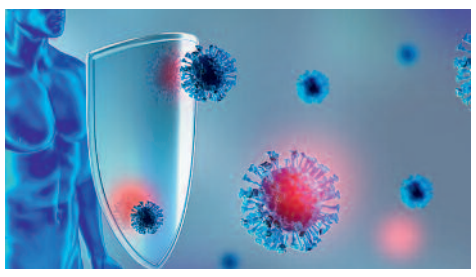

घर पर पुराने कपड़े रखने से बढ़ती है नकारात्मकता, जानिए वास्तु उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर पर पुराने, फटे और बेकार हो चुके कपड़ों से नकारात्मकता फैलती है। वास्तु में पुराने कपड़ों को घर पर ज्यादा दिनों तक रखना अच्छा नहीं माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर फटे, पुराने और बेकार हो चुके कपड़ों से हमेशा ही नकारात्मक ऊर्जा फैलती है इसलिए अशुभता को बढ़ाने वाले इन कपड़ों को तुरंत ही घर से बाहर निकाल दें। इससे जीवन में मानसिक तनाव और आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार जिन कपड़ों के रंग उतर गए हों, ऐसे कपड़े जिसमें किसी तरह का दाग लगा हुआ हो, कपड़े फटे और सिलाई खुली हो तो ऐसे कपड़ों से नकारात्मकता फैलती है। ऐसे में इन कपड़ों को भूलकर भी नहीं पहना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी पुराने और फटे हुए कपड़ों को जरूरतमंदों दान में नहीं देना चाहिए। हमेशा अच्छी स्थिति में कपड़ों को दान करना अच्छा माना जाता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव घर में रहता है और सुख-शांति नहीं रहती।

वास्तु शास्त्र के अनुसार पुराने कपड़ों को वहां देना चाहिए जहां पर इसका इस्तेमाल फिर से नए कपड़ों को बनाने में किया जा सके। इसके अलावा फटे हुए कपड़ों से रस्सी और रजाई में इस्तेमाल किया जा सकता है। अलमारी में समय-समय पर साफ-सफाई करते रहें और पुराने कपड़ों को अलग करें। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह कम रहता है। ज्योतिष शास्त्र में पुराने कपड़ों का संबंध शनि और राहु से होता है। जिन घरों में पुराने कपड़े होते हैं वहां पर शनि और राहु का अशुभ प्रभाव रहता है। ऐसे में घर से पुराने कपड़ों को हटाने से शनि और राहु का बुरा प्रभाव कम होता है। इसके अलावा शनिवार के दिन काले कपड़े का दान करने से शनि दोष कम होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी पुराने कपड़ों को कूड़े में ना डालें और न इसे जलाएं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पुराने कपड़ों को दान करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता आती है, वास्तु दोष दूर होता है और जीवन मं समृद्धि आती है।

बेडरूम में फेंगशुई से खिंची चली आएगी समृद्धि

अक्सर कपल के बीच में लड़ाई होती है, इसका एक बड़ा कारण घर में नकारात्मक

ऊर्जा का संचार है। ऐसे में बेडरूम में आप फेंगशुई के कुछ सामान लाकर अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं।

हरे पौधे: फेंगशुई में हरे पौधे जीवन शक्ति और विकास का प्रतीक माने जाते हैं। बेडरूम में छोटे हरे पौधे, जैसे मनी प्लांट, पीस लिली या बांस का पौधा, रखें। इन्हें बेडरूम की पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है। ये पौधे हवा को शुद्ध करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। हालांकि, रात में ऑक्सीजन की खपत करने वाले बड़े पौधों से बचें।

क्रिस्टल: फेंगशुई में क्रिस्टल को ऊर्जा संतुलन का प्रतीक माना जाता है। बेडरूम में गुलाबी क्वार्ट्ज या अमेथिस्ट क्रिस्टल रखें, जो प्रेम, शांति और नींद को बढ़ावा देते हैं। इन्हें बेड के पास या उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। गुलाबी क्वार्ट्ज पति-पत्नी के बीच प्रेम और समझ को बढ़ाता है, जबकि अमेथिस्ट तनाव कम करता है।

लकड़ी का फर्नीचर: फेंग शुई के अनुसार, बेडरूम में लकड़ी का फर्नीचर सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। लकड़ी स्थिरता और गर्माहट का प्रतीक है। लकड़ी का बेड, ड्रेसिंग टेबल या अलमारी चुनें, और इन्हें बेडरूम की पश्चिम या उत्तर दिशा में रखें। धातु के फर्नीचर से बचें। बेड को दीवार के सहारे रखें, लेकिन इसे दरवाजे के सामने न रखें, ताकि ऊर्जा का प्रवाह बाधित न हो।

सॉफ्ट लाइटिंग: बेडरूम में सॉफ्ट और गर्म रोशनी सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। फेंग शुई के अनुसार, तेज रोशनी से बचें और हल्की पीली या गुलाबी रोशनी वाली लैंप का इस्तेमाल करें।

रिश्तों में दूरी से पनप रहा अवसाद तो योग में मिलेगा इसे दूर करने का रास्ता

पार्टनर से दूरी होने पर मानसिक स्थिति पर असर होना स्वाभाविक है, अगर ऐसे कुछ लक्षणों से आपको या किसी करीबी को भी गुजरना पड़ा हो तो इससे उबरने योग के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की आवश्यकता है। व्यस्त जीवनशैली, करियर की चाहत और नौकरी का दबाव इस कदर हावी होता जा रहा है, कि लोगों के पास अपने परिवार या रिश्तों के लिए समय ही नहीं बचा है। लॉंग डिस्टेंस रिलेशनशिप के मामले में बढ़ रहे हैं, जहां लोग अपने बॉयफ्रेंड -गर्लफ्रेंड ही नहीं पति-पत्नी से भी अलग रहने को मजबूर हैं। वहीं काम के बोझ के कारण आप एक ही परिवार में रहकर अपने पार्टनर को वक्त नहीं दे पाते हैं। ऐसे में दोनों में से एक पार्टनर के पास अगर वक्त है तो वह साथी के अनदेखी के कारण खुद को इस रिश्ते में अकेला महसूस करने लगता है।कभी-कभी रिश्तों में दूरियां आने के बाद खुद को टूटता हुआ महसूस होता है, लेकिन योग आपको अंदर से मजबूत करता है। यह आत्म-स्वीकृति, आत्म-प्रेम और मानसिक स्थिरता को जन्म देता है। इमोशनल हीलिंग के लिए योग एक

असरदार प्राकृतिक उपचार है। अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं या पार्टनर से दूरी के कारण स्ट्रेस में रहते हैं तो कुछ योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं। सबसे पहले तो इस लेख के जरिए ये समझिए कि पार्टनर से दूरी होने पर आपकी मानसिक स्थिति पर कितना असर हो रहा है, अगर आप में लेख में बताए जा रहे लक्षण नजर आते हैं, तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है और योग के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की आवश्यकता है। हर वक्त बेचैनी या घबराहट, अकेलापन और खालीपन महसूस होना,अनचाहा रोना या मूड स्विंग,आत्म-संकोच या आत्मग्लानि, ध्यान की कमी और थकान, नींद न आना या ज्यादा सोना,यह लक्षण धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में यदि आप अपने रिश्ते को सुधार नहीं पा रहे हैं तो सबसे पहले खुद को संभालना जरूरी है। मानसिक थकान और भावनात्मक दर्द से राहत पाने के लिए योग जरूरी है। यह विश्राम आसन मानसिक थकान को दूर करता है और आपको आंतरिक शांति देता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'रेसिडेंट ईविल' के सेट पर हुए हादसे का निर्देशक ने किया जिक्र,बाल-बाल बचे थे

निर्देशक जैक क्रेगर ने बताया है कि अपकमिंग फिल्म के एक अहम एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान एक्टर ऑस्टन एब्राम्स एक जानलेवा हादसे से बाल-बाल बचे।

'रेसिडेंट ईविल' के निर्देशक जैक क्रेगर ने अपनी फिल्म में हुए एक हादसे के बारे में बताया है। उनके मुताबिक एब्राम्स शूटिंग के दौरान क्रेन से गिराई गई एक वजनदार चीज से बाल-बाल बच गए। यह चीज इंसान के शरीर के आकार की थी। इसका वजन 150 पाउंड था।

स्लैशफिल्म से बातचीत में क्रेगर ने उस स्टंट सीन का जिक्र करते हुए कहा, 'इससे उसकी जान जा सकती थी। अगर वह एक कदम भी दाईं ओर होता, तो मर ही जाता। यह शॉट फिल्म में है, इसलिए यह सब सार्थक रहा। मैं तो हैरान ही रह गया था।'

पीपल के अनुसार फिल्म के ट्रेलर में थोड़ी देर के लिए दिखाए गए इस सीन में ब्रायन को भागते हुए दिखाया गया है, जबकि उसके आस-पास छतों से शरीर के आकार की चीजें गिर रही हैं। ऐसा लगता है जैसे कोई महामारी फैल गई हो।

क्रेगर ने कहा कि वह चाहते थे कि धमाके और गिरते हुए शरीर असल में (प्रैक्टिकली) दिखाए जाएं, न कि विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया जाए।

उन्होंने आगे बताया 'इसलिए, हमें असल में एक ऐसा सीन डिजाइन करना था, जिसमें वह बस भाग रहा हो और उसके आस-पास शरीर गिर रहे हों और धमाके हो रहे हों। मैं इसे वीएफएक्स से नहीं करना चाहता क्योंकि मुझे लगता है कि यह बस वीएफएक्स जैसा ही लगेगा।'

टॉलीवुड

घुड़सवारी, चाकू और बंदूक चलाना सीखा 'रणबाली' के लिए विजय ने ली सख्त ट्रेनिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म में अपने किरदार में असर लाने के लिए कई तरह की ट्रेनिंग ली है। इन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि उनका किरदार असली लगे। एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

इंडिया टुडे ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।' सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

भोजपुरी

खेसारी पर आपत्तिजनक तस्वीरें फैलाने का आरोप, अभिनेत्री ने दर्ज कराई एफआईआर

भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लेकर भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री ने खेसारी पर अपनी फेक तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। अंजना सिंह ने भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल यादव की टीम से जुड़े लोगों पर यह कंटेंट फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। अंजना ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से मेरी और मेरी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो फैलाए जा रहे हैं। अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और धमकियां दी जा रही हैं'। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि उन्हें कुछ लोगों से धमकियां मिल रही हैं, जिनमें लखनऊ न जाने की चेतावनी भी शामिल है। अंजना ने यह भी दावा किया कि खेसारी लाल यादव के मैनेजर अखिलेश कश्यप, उन्हें निशाना बनाने वाला कंटेंट बनाने और उसे प्रमोट करने में शामिल थे।

ब्लैक एंड व्हाइट का दौर

ब्लैक एंड व्हाइट को सदाबहार फैशन माना जाता है। युवाओं के लिए यह सर्वसुलभ फैशन रहा है। किसी भी मौसम में इसे शान के साथ अपनाया जा सकता है। दुनिया भर के डिजाइनरों की मानें तो बगैर किसी खास स्टाइल के भी ब्लैक एंड वाइट अपने आप में एक स्टाइल है।

दही और नीम से घर पर बनाएं फेस पैक, जानें बनाने का तरीका

चहर पर पपल्स, रशज आर दाग धब्ब हाना एक आम समस्या ह, लेकिन यह समस्या चेहरे की खूबसूरती को कम कर सकती है, जिससे अधिकतर महिलाएं परेशान होती है। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से एक ऐसे होममेड फेस पैक के बारे में जानना चाहिए, जिसे इस्तेमाल कर आप इन सभी समस्याओं को कम कर सकती है।

चेहरे के लिए नीम और दही

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा ने बताया कि अगर आप भी चेहरे पर हो रही परेशानी की वजह से हमेशा उदास रहती है, तो अब आप घर पर एक खास होममेड फेस पैक को ट्राई कर इन समस्याओं को कम कर सकती हैं और चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। हम बात कर रहे हैं, नीम और दही से बने फेसपैक की। इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। इसके लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी जैसे -नीम और दही से फेसपैक बनाने के लिए नीम पावडर,दही,विटामिन ई कैप्सूल और गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले नीम के पत्तों को सुखाकर मिक्सर या ब्लैडर में पीसकर उसका पाउडर तैयार करें। अब इस पाउडर को एक कटोरी में निकाल लें और इसमें दो बड़े चम्मच दही, विटामिन ई कैप्सूल और थोड़ा गुलाब जल मिला दे। इस पेस्ट को अच्छी तरह फट लें और थोड़ी देर के लिए रख दे। अब आपका फेस पैक बनकर तैयार है। आप इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से पहले चेहरे को साफ पानी से धो लें और सुखा ले। उसके बाद आप इस पेस्ट को 30 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाकर रखें। थोड़ी देर के बाद आप कच्चा दूध लेकर चेहरे की मसाज कर सकती हैं। ध्यान रहे मसाज करते

वक्त आपके चेहरे को रगड़ना नहीं है, बल्कि हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करनी है।

ऐसा करने से आपको काफी हद तक फायदा देखने को मिल सकता है। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। अगर आपको त्वचा संबंधित कोई परेशानी होती है, तो तुरंत डर्मेटोलॉजिस्ट या एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

सावन महीने में ट्राई करें मिरर वर्क सूट के नए डिजाइन, देंगे रॉयल लुक

अगर आप भी इस साल सावन में अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो आप इन खूबसूरत मिरर वर्क सूट को ट्राई कर अपने लुक को खास बना सकती हैं। महिलाएं अपने लुक को डिफरेंट बनाने के लिए कई प्रयास करती हैं। इनमें से कुछ महिलाएं अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए अलग-अलग तरह के आउटफिट भी ट्राई करती हैं। ऐसे में सावन के महीने मने महिलाएं नए नए आउटफिट ट्राई करती हैं। अगर आप भी इस साल सावन में अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो ये खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है।

ग्रीन मिरर वर्क शरारा सेट

अगर आप इस साल सावन के महीने में अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं या घर पर कोई छोटा-मोटा कार्यक्रम है और आप उस प्रोग्राम में अपने लुक से सभी का दिल जीतना चाहती है, तो अब आपको आउटफिट को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपके लिए यह खूबसूरत ग्रीन मिरर वर्क शरारा सेट एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसे पहनकर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती है। इस तरह के आउटफिट को आप बाजार से कपड़ा लाकर बनवा सकती हैं या ऑनलाइन खरीद सकती है।

कॉटन मिरर वर्क सलवार कमीज सूट

अगर आप सावन के महीने में कुछ यूनिक और डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं, तो एक जैसे सलवार सूट या गाउन को ट्राई करने के बजाय आप इस तरह का खूबसूरत कॉटन मिरर वर्क सलवार कमीज सूट को भी ट्राई कर सकती हैं। ऐसे सूट इन दिनों बहुत चर्चा में है। यह आपके लुक को एलिगेंट और क्लासी टच देने में बहुत मदद करेंगे। इसे आप टेलर की मदद से बनवा सकती है या ऑनलाइन भी खरीद सकती है।

मिरर वर्क लाइट पिंक गाउन

अपनी खूबसूरती से सभी को खुश करने के लिए और सावन के महीने में रुद्राभिषेक के दौरान अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप इस तरह के खूबसूरत मिरर वर्क लाइट पिंक गाउन को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे सूट आपको मॉडर्न और एलिगेंट टच देने में बहुत मदद करेंगे।

नेकलेस की जगह स्टाइल करें चेन पेंडेंट सेट, देखें डिजाइंस

आउटफिट स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन जब इसके साथ ज्वेलरी पहनने की बात आती है, तो ऐसे में अलग-अलग तरह के नेकलेस सेट डिजाइन को सर्च करते हैं। इसकी वजह से कई बार ये नेकलाइन के हिसाब से अच्छे लगते हैं, तो कई बार इनका डिजाइन ही लुक को क्रिएटिव बनाता है। इस बार आप ड्रेस के साथ पहनने के लिए चेन पेंडेंट सेट को स्टाइल कर सकती हैं।

हार्ट डिजाइन वाला पेंडेंट सेट

आप आउटफिट के साथ पहनने के लिए आप हार्ट डिजाइन वाले पेंडेंट सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की सेट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इनके साथ स्टड इयररिंग्स भी मिल जाते हैं। जिसे वियर करे आपका लुक अच्छा नजर आएगा। इसे आप आसपास की लोकल मार्केट से भी जाकर खरीद सकती हैं।

फिश डिजाइन वाला पेंडेंट सेट

स्टाइलिश लुक के लिए आप फिश डिजाइन वाले पेंडेंट सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सेट पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। इस में आपको चेन के साथ पेंडेंट में फिश और लोटस फ्लावर का डिजाइन मिलेगा। इसमें स्टड इयररिंग्स भी आपको सेम डिजाइन के मिलेंगे। इसे पहनकर आपका लुक काफी अच्छा नजर आएगा। साथ ही, आप काफी सुंदर दिखाई देंगी। मार्केट में इस तरह के सेट आपको 100 से 300 रुपये में मिल जाएंगे। आप लुक को क्रिएटिव बनाने के लिए क्रिस्टल डिजाइन वाले पेंडेंट सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के पेंडेंट सेट आप किसी भी स्टाइलिश आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं। इसे पहनकर आपका लुक काफी अच्छा और खूबसूरत नजर आएगा।

झड़ते और टूटते बालों के लिए रामबाण है प्याज का तेल

झड़ते और टूटते बालों को कम करना है, तो इसके लिए प्याज के तेल का इस्तेमाल करें। प्याज के तेल बालों के लिए अच्छे होते होता है। इसलिए आपको इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

प्याज के तेल लगाने के फायदे

प्याज के तेल में सल्फर, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण बालों को मजबूत बनाने और हेयर ग्रोथ बढ़ाने में बेहद फायदेमंद होते हैं। साथ ही, बालों के स्कैल्प को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसलिए आप इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे बनाना भी काफी आसान होता है। साथ ही, इसे स्टोर करके भी ज्यादा समय के लिए किया जा सकता है।

प्याज के तेल को बनाने का तरीका

इसके लिए आपको प्याज को कद्दूकस करके रखना है। इसके बाद इसे प्याज को पैन में तेल के साथ धीमी आंच में पकाना है। इसे तबतक पकाना है, जबतक ये ब्राउन न हो जाए और इसमें खुशबू न आए। इसके बाद इसे छानकर एक बोतल में डाल लें।

प्याज का तेल कैसे लगाएं?

तेल को थोड़ा गर्म कर लें। उंगलियों की मदद से

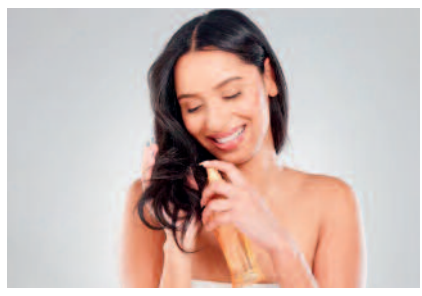

स्कैल्प पर हल्के हाथों से मसाज करें। बालों की लंबाई पर भी तेल लगाएं। कम से कम 1 घंटे या पूरी रात छोड़ दें। माइल्ड शैम्पू से बाल धो लें। इसका इस्तेमाल 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

प्याज की गंध हटाने के लिए शैंपू के बाद बालों में सीरम का इस्तेमाल करें। यह असरदार और नैचुरल तरीका है बालों की देखभाल का। अगर आप झड़ते और टूटते बालों से परेशान हैं, तो इसे आजमाएं और फर्क खुद देखें। आप इसे बनाकर स्टोर कर सकते हैं। साथ ही, आपके बालों में इसके इस्तेमाल किसी तरह की कोई प्रॉब्लम नहीं होगी। बस आपको एक्सपर्ट राय जरूर लेनी है, ताकि आपके बालों कमें कोई प्रॉब्लम नहीं होगी।

कार्नर न्यूज

भीड़ में अलग दिखने स्टाइल चुनें सावधानी से

खास मौके पर स्टाइलिश दिखना है तो इन गलतियों से रहें दूर, वरना देखकर हंसेंगे लोग

यदि किसी भी खास मौके पर आप खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो तैयार होते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य ही रखें। हर महिला और लड़की के लिए ऐसा मौका काफी खास होता है। ये मौका होता है सजने और संवरने का, जिसमें महिलाएं खूब अच्छे से तैयार होती हैं, अपने लिए नये-नये कपड़े खरीदती हैं, नया मेकअप और ज्वेलरी खरीदती हैं। जल्दबाजी के चक्कर में या फिर बिना सोचे-समझे कई महिलाएं तैयार होते समय कुछ ऐसी गलतियां कर देती हैं, जिनकी वजह से उनका लुक अच्छा दिखने की वजह खराब हो जाता है। ये गलतियां जाने-अनजाने में होती हैं। इसलिए आज हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

मौके के हिसाब से कपड़े का चयन न करना

कई बार हम बिना सोचे-समझे कुछ ऐसे कपड़े खरीद लेते हैं, जिनकी शायद हमें जरूरत भी नहीं है। ऐसे कपड़ों को कहीं भी न पहनें। खासतौर पर जब बात त्योहारों की हो रही है तो ध्यान रखें कि ये कपड़े ज्यादा हैवी नहीं होने चाहिए। त्योहारों में पूजा-पाठ भी होती है, ऐसे में ज्यादा भारी कपड़े पहनकर आपको शायद बैठने में दिक्कत हो सकती है।

गलत एक्सेसरीज और मेकअप का चयन कैरी करना

लुक कैरी करते समय एक्सेसरीज का चयन हमेशा अपने आउटफिट और मौके के हिसाब से करें। हर आउटफिट के साथ और हर जगह ज्यादा हैवी एक्सेसरीज अच्छी नहीं लगती हैं। अगर आउटफिट हैवी है, तो गहने हल्के रखें और मेकअप भी सिंपल ही रखें। वरना आपके गहने और मेकअप आपके आउटफिट को फीका ना देगा।

मौसम के हिसाब से तैयार न होना

यदि आप मौसम के हिसाब से तैयार होंगी तो हर कोई आपकी तारीफ करेगा। जैसे कि गर्मियों में सिल्क या भारी फैब्रिक पहनना और सर्दियों में हल्के कपड़े पहनना ना

सिर्फ असहज करता है, बल्कि लुक भी बिगाड़ देता है। इसलिए अभी आज के मौसम में हमेशा हल्के फैब्रिक वाले कपड़े का चयन करें। सर्दी के मौसम में मोटे फैब्रिक का चयन कर सकते हैं।

सही फिटिंग को नजरअंदाज करना

आपका आउटफिट हमेशा सही फिटिंग का होना चाहिए। गलत फिटिंग से आपका पूरा लुक ही बिगड़ जाएगा। इसके लिए आपको कपड़े तैयार करने से पहले ट्रायल अवश्य लेना चाहिए। खासतौर पर अगर आउटफिट त्योहार के लिए तैयार करा रहे हैं तो एक बार पहले ट्रायल अवश्य लें, ताकि आपके कपड़े की फिटिंग परफेक्ट रहे।

सही हेयर स्टाइल न होना

इस बात को खासतौर पर ध्यान में रखें। ये जानना बेहद जरूरी है कि हर आउटफिट के साथ खुले बाल या जूड़ा अच्छा नहीं लगता है। समय-समय पर आउटफिट के हिसाब से अपना हेयर स्टाइल बदलें। आपका हेयर स्टाइल आपकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ाने का काम करता है। इसलिए तैयार होते समय हेयर स्टाइल का खास ध्यान रखें।

आत्मविश्वास की कमी होना

किसी भी समारोह के लिए तैयार हो रहे हैं तो आपकी सबसे अहम एक्सेसरीज आपका आत्मविश्वास ही होनी चाहिए। भले ही सब कुछ अच्छा हो, लेकिन अगर आप खुद में कॉन्फिडेंट नहीं लग रहे तो लुक असरदार नहीं बन पाएगा।